राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 11 जून 2023 वर्ष–6,अंक–137 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टीपू सुल्तान के अवैध स्मारक पर चला बुलडोजर, AIMIM विधायक ने कराया था निर्माण

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के धुले में टीपू सुल्तान के अवैध स्मारक को सरकार के आदेश पर प्रशासन की टीम ने गिरा दिया है। भाजयुमो की शिकायत पर प्रशासन की टीम ने यहां बुलडोजर से स्मारक को गिरा दिया। बताया जा रहा है कि टीपू सुल्तान स्मारक स्थानीय ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तिहादुल मुस्लिमीन के विधायक डॉ फारूक अनवर शाह ने 100 फीट चौड़ी सड़क के ठीक बीच में बनाया गया था। प्रशासन के मुताबिक, यह स्मारक अवैध था, इसलिए यह कार्रवाई की गई। भारतीय जनता युवा मोर्चा की धुले इकाई ने इस संबंध में गृह मंत्री और राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा था। पत्र की प्रतियां स्थानीय एसपी और नगर निगम धुले के आयुक्त को भी दी गईं। पत्र में कहा गया है, धुले शहर में नगर निगम द्वारा डी-मार्ट से बायपास हाईवे तक 100 फीट की सड़क का निर्माण किया गया है। इस सड़क पर काफी ट्रैफिक रहता है। इसके अलावा, सड़क के दोनों किनारे ज्यादातर मुस्लिमों के घर हैं। भाजयुमो के अधिवक्ता रोहित चंदोडे ने इस पत्र में आगे लिखा है, धुले शहर के विधायक डॉ फारूक शाह ने हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है और चौराहे पर बिना किसी सरकारी अनुमति के हिंदू विरोधी टीपू सुल्तान के स्मारक का निर्माण करके अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया है। पत्र में सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा गया, मैं नगर निगम प्रशासन से इस अवैध स्मारक के निर्माण को गिराने के लिए कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं ताकि शहर की शांति बरकरार रहे। संबंधित को फारूक शाह के खिलाफ सिटी डिफेसमेंट एक्ट के तहत मामला दर्ज करने की कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाए। जानकारी के अनुसार, 8 जून की देर रात सरकार के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन की टीम ने टीपू सुल्तान के अवैध स्मारक पर बुलडोजर चला दिया।

कल्याण लोकसभा सीट को लेकर भाजपा-शिवसेना में विवाद

सीएम के सांसद बेटे बोले - गठबंधन पर असर ना हो, मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार

मुंबई। महाराष्ट्र की कल्याण लोकसभा सीट को लेकर भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के कुछ नेताओं के बीच अनबन की खबरें सामने आ रही हैं। स्थानीय भाजपा नेताओं ने 8 जून को आगामी लोकसभा चुनावों में एकनाथ शिंदे की शिवसेना को समर्थन नहीं देने का प्रस्ताव पारित किया। इसके जवाब में सीएम एकनाथ के बेटे श्रीकांत शिंदे ने कहा कि, यह अनबन सिर्फ स्थानीय नेताओं के बीच है। गठबंधन पर कोई असर न हो, इसके लिए मैं इस्तीफा देने के लिए भी तैयार हूं।

भाजपा नेता के खिलाफ दर्ज मामला, शिवसेना पर आरोप

महाराष्ट्र में दोनों पार्टियों के बीच यह तकरार भाजपा के डोंबिवली पूर्वी मंडल के अध्यक्ष नंदू जोशी को लेकर है। जोशी के खिलाफ एक छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया है। स्थानीय भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि जोशी को शिवसेना नेताओं ने राजनीतिक बदला लेने के लिए फंसाया।

कैबिनेट मंत्री की उपस्थिति में प्रस्ताव पारित किया

नंदू जोशी के मामले को लेकर 8 जून को भाजपा के कैबिनेट मंत्री रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में कल्याण निर्वाचन क्षेत्र में एक बैठक आयोजित की गई। कल्याण श्रीकांत का निर्वाचन क्षेत्र भी है। बैठक में स्थानीय भाजपा नेताओं ने चव्हाण के सामने एक प्रस्ताव

पारित किया, जिसमें कहा गया कि वो आने वाले चुनाव में श्रीकांत का समर्थन नहीं करेंगे।

जो भी उम्मीदवार होगा, उसका प्रचार करेंगे

समर्थन न देने वाली बात सुनकर श्रीकांत शिंदे ने कहा कि, वह किसी पद की उम्मीद नहीं रखते हैं और गठबंधन के वरिष्ठ नेता इस बात का फैसला करेंगे कि आगामी लोकसभा चुनाव में किसे नामित किया जाए। शिंदे ने आगे कहा, भले ही मुझे नॉमिनेट नहीं किया जाए लेकिन हम सर्वसम्मति से जो भी उम्मीदवार होगा उसके लिए प्रचार करेंगे और उसे जिताएंगे।

शिंदे ने कहा- इस्तीफा देने के लिए भी तैयार हूं-श्रीकांत शिंदे ने कहा कि पार्टी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से सत्ता में लाने का प्रयास करेगी। दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं के बीच कोई गलतफहमी नहीं है। उन्होंने कहा कि शिवसेना का लक्ष्य केंद्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की सरकार बनाना है। अगर कोई इस दिशा में हमारे द्वारा किए जा रहे काम का विरोध करता है, अगर कोई नाराज होता है और अगर गठबंधन में कोई व्यवधान आता है तो मैं अपने पद से इस्तीफा देने के लिए भी तैयार हूं।

एकनाथ शिंदे ने साथ में चुनाव लड़ने का एलान किया था

महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी-शिवसेना गठबंधन ने 45 सीटों पर जीत हासिल की थी। पांच जून को एकनाथ शिंदे ने घोषणा की थी कि, दोनों पार्टियां लोकसभा चुनाव, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों सहित राज्य में आगामी सभी चुनाव संयुक्त रूप से लड़ेंगी।

दिल्ली में रैपिडो-उबर की सेवाओं पर रोक सही या गलत?

एससी ने दिल्ली सरकार की याचिका पर केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से दिल्ली सरकार की उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें हाईकोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी गई है। दरअसल दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने फरवरी 2023 में ओला-उबर और रैपिडो जैसी कैब एग्रीगेटर कंपनियों की बाइक सेवा पर रोक लगा दी थी। सरकार के फैसले को चुनौती देते हुए इन कंपनियों ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने सरकार के फैसले पर रोक लगाते हुए इन कंपनियों को राहत दे दी थी। इसके बाद दिल्ली सरकार ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस राजेश बिंदल की अवकाश पीठ ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि याचिकाओं की कॉपी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को दी जाए। पीठ ने कहा, दोनों याचिकाओं की प्रति सॉलिसिटर जनरल को दी जानी चाहिए, ताकि भारत सरकार के विचारों को संज्ञान में लिया जा सके। मामले को सोमवार को सूचीबद्ध कीजिए।

दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील मनीष वशिष्ठ ने कहा कि अंतिम नीति अधिसूचित होने तक उसके नोटिस पर रोक लगाने का हाईकोर्ट का फैसला रैपिडो की रिट याचिका को स्वीकार करने जैसा है। हाईकोर्ट ने 26 मई को रैपिडो की याचिका पर दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करते हुए कहा था कि अंतिम नीति तक बाइक-टैक्सी एग्रीगेटर के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जाएगी। रैपिडो का परिचालन करने वाली वाली रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने हाईकोर्ट के समक्ष अपनी याचिका में कहा था कि दिल्ली सरकार का आदेश बिना किसी औचित्य के पारित किया गया।

प. बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन के साथ हिंसा शुरू, कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन के पहले दिन शुक्रवार को हिंसा शुरू हो गई. मुर्शिदाबाद के खरग्राम के रतनपुर नलदीप गांव में रात को कांग्रेस कार्यकर्ता कीहत्या कर दी गई है. हत्या कांड में चार लग घायल भी हुए हैं. सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कुछ लोगों परहत्या करने का आरोप लगाया गया है. ग्रामीणों के मुताबिक रतनपुर नलदीप गांव में शाम को कांग्रेस कार्यकर्ता फूलचंद शेख (42) अपने घर के सामने पुत्र को गोद में लेकर बैठे थे. पास में कई लोग ताश भी खेल रहे थे. आरोप है कि स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता रफीक के नेतृत्व में करीब 15 बदमाश पहुंचे और फूलचंद को घेर लिया

ग्रामीणों के मुताबिक रतनपुर नलदीप गांव में शाम को कांग्रेस कार्यकर्ता फूलचंद शेख (42) अपने घर के सामने पुत्र को गोद में लेकर बैठे थे. पास में कई लोग ताश भी खेल रहे थे. आरोप है कि स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता रफीक के नेतृत्व में करीब 15 बदमाश पहुंचे और फूलचंद को घेर लिया

और उसे नजदीक से छह बार गोली मारी. फूलचंद को बचाने आए कुछ लोगों को पीटा गया. मारपीट में चार लोग घायल हो गए. इसके बाद बेखौफ अपराधी भाग गए. लहूलुहान फूलचंद स्थानीय अस्पताल ले जाया गया. देर रात हालत बिगड़ने पर कांदी अस्पताल शिफ्ट किया गया. यहां उसकी मौत हो गई.

बताया गया है कि पंचायत चुनाव हिंसा में जान गंवाने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता प्रवासी मजदूर फूलचंद 10 दिन पहले ही गृह राज्य केरल से लौटे थे. उनकी मां मरीना बीबी का आरोप है कि तृणमूल के लोगों ने उनके बेटे कीहत्या की है. उन्होंने कहा हम मर भी जाएंगे तब भी कांग्रेस नहीं छोड़ेंगे. कांदी के पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता सफीउल आलम खान ने कहा है कि तृणमूल कांग्रेस ने यह कायराना हरकत कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डराने के लिए की है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी ने कहा है बंगाल में चुनाव के नाम पर तमाशा चल रहा है. अगर गोलियों से सत्ता हथियाने की ख्वाहिश थी तो बैलेट के नाटक की क्या जरूरत थी. इसहत्या कांड के दौरान घायल कांग्रेस कार्यकर्ता साहेबन शेख ने कहा है कि यह हमला राजनीतिक कारणों से हुआ है.

इस घटना पर जंगीपुर से तृणमूल के सांसद खलीलुर रहमान ने कहा है कि यह तो समय बताएगा कि कांग्रेस चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की साजिश कर रही है या नहीं. पुलिस मामले की जांच कर इस घटना में शामिल लोगों को सजा देगी. उधर, शनिवार सुबह तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है.

मोदी सरकारी की इस योजना से बचेगी 4 लाख लोगों की जान, डब्ल्यूएचओ भी हुआ मुरीद

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की एक योजना से 4 लाख लोगों की जान बच सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस योजना की तारीफ की है। अपनी रिपोर्ट में कहा कि जल जीवन मिशन के तहत अगर ग्रामीण इलाकों में नल का जल उपलब्ध कराया जाता है तो डायरिया से होने वाली लगभग 400,000 मौतों को संभावित रूप से रोक सकता है। इसके अलावा 1.4 करोड़ लोगों को पानी से होने वाली बीमारियों से बचाया जा सकता है। आपको बता दें कि केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन के तहत 2024 तक भारत के ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाना है। अब तक 62.84त्न इलाकों में यह काम पूरा हो चुका है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, देश के 12 प्रमुख नदी घाटियों में लगभग 82 करोड़ लोग जल संकट का सामना करते हैं। राष्ट्रीय सैंपल सर्वेक्षण संगठन के सर्वेक्षण के अनुसार, झारखंड में महिलाओं को पानी के लिए हर दिन 40 मिनट पैदल चलना पड़ता है। वहीं, बिहार में यह समय करीब 33 मिनट है। ग्रामीण महाराष्ट्र में यह औसत करीब 24 मिनट है। 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की शुरुआत की थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन का विश्लेषण डायरिया से होने वाली बीमारियों पर केंद्रित है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2018 में भारत की कुल आबादी का 36 प्रतिशत, जिसमें 44 प्रतिशत ग्रामीण आबादी शामिल है, के पास घर में पीने का साफ पानी नहीं है। पेयजल और स्वच्छता विभाग की सचिव विनी महाजन ने कहा, ग्रामीण इलाकों में नल के पानी के कनेक्शन 2019 में 16.64 प्रतिशत से बढ़कर 41 महीनों के भीतर 62.84 प्रतिशत हो गए। हर साल इमें 13.5 प्रतिशत का इजाफा हो रहा है।

जून या जुलाई दिल्ली में मॉनसून की एंट्री कब? आईएमडी ने दिया जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली में लोग भीषण गर्मी से परेशान हैं। लगभग दो हफ्ते बाद शुक्रवार को तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर चला गया। वहीं गुरुवार को केरल के तट पर दक्षिण पश्चिम मॉनसून ने दस्तक दे दी है। इसके 27 जून तक दिल्ली पहुंचने की संभावना है। बेशक मॉनसून ने केरल में दस्तक दे दी है लेकिन मौसम विभाग (आईएमडी) ने अभी तक दिल्ली में इसके पहुंचने की निर्धारित तारीख नहीं बताई है। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि वे जून के दूसरे पखवाड़े में दिल्ली से संबंधित पूर्वानुमान जारी करेंगे।

आईएमडी के पिछले 10 सालों के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि मॉनसून ने दिल्ली में जुलाई में छह बार और जून में चार बार एंट्री की है। 1960 और 2022 के बीच, मॉनसून ने राजधानी में जुलाई में 33 बार और जून में 30 बार दस्तक दी है। विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वे मौसम संबंधी कारकों पर

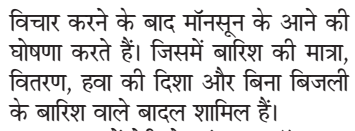

विचार करने के बाद मॉनसून के आने की घोषणा करते हैं। जिसमें बारिश की मात्रा, वितरण, हवा की दिशा और बिना बिजली के बारिश वाले बादल शामिल हैं।

1987 में देरी से पहुंचा था मॉनसून

आईएमडी के आंकड़ों से पता चलता है कि 1960 और 2022 के बीच, मॉनसून का 1961 में 9 जून को आगमन हुआ था और सबसे देरी से 27 जुलाई 1987 को पहुंचा था। जून में मॉनसून के आगमन के कुल 30 मौकों में से अधिकांश बार महीने के अंतिम 10 दिनों में इसकी एंट्री हुई है। इसी तरह, दिल्ली में 33 बार जब मॉनसून जुलाई में आया, तो इसकी शुरुआत ज्यादातर महीने के पहले हफ्ते में हुई। आईएमडी के आंकड़ों से पता चलता है कि मॉनसून ने पिछले साल 30 जून को दिल्ली में दस्तक दी थी।

कैसे होती है मॉनसून आने की घोषणा-शहर के बेस स्टेशन सफदरजंग में पिछले साल 30 जून को सुबह 8.30 बजे तक हल्की बारिश दर्ज की गई थी। हालांकि, बारिश का 24 घंटे का औसत, जो 30 जून को सुबह 8.30 बजे से 1 जुलाई को सुबह 8.30 बजे तक है, 117.2 मिमी था। आईएमडी में क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के वैज्ञानिक और प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि, दिल्ली और आस-पास के इलाकों में हुई बारिश को देखते हुए मॉनसून की शुरुआत की घोषणा की जाती है। अगर दिल्ली में सुबह 8.30 बजे तक बहुत कम बारिश हुई है लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित अन्य इलाकों में बारिश हुई है, साथ ही ज्यादा बारिश होने का अनुमान है तो मॉनसून आगमन की घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पूर्व या दक्षिण-पूर्वी हवाएं मॉनसून के आगमन के लिए मानी जाने वाली एक और कसौटी हैं। मॉनसून की घोषणा के लिए अन्य महत्वपूर्ण कारक बादल का टाइप है।

मणिपुर में फिर भड़क सकती है हिंसा, कूकी गांव में सुबह-सुबह 3 लोगों की हत्या

मणिपुर। मणिपुर में फिर हिंसा भड़क सकती है। कांगपोकपी जिले के कूकी गांव में तड़के एक बुजुर्ग महिला सहित तीन लोगों की हत्या कर दी गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने पुलिस और आईआरबी (इंडिया रिजर्व बटालियन) की वर्दी पहन रखी थी। मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह हाल ही में कहा था कि 48 घंटे से हिंसा नहीं देखी गई है। आपको बता दें कि पिछले एक महीने से अधिक समय से जातीय संघर्षों ने मणिपुर को अशांत कर दिया है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हथियारबंद लोग सुबह करीब 4 बजे आए और गांव में करीब दो घंटे तक रुके रहे और गोलियां चलाईं। हालांकि पुलिस ने तीन लोगों के मारे जाने और दो के घायल होने की पुष्टि की है, लेकिन उन्होंने घटना के बारे में इससे अधिक कुछ नहीं कहा है।

खोकेन कांगपोकपी जिले की सीमा पर स्थित है। इंफाल पश्चिम जिले के अंतर्गत आने वाले संगाईथेल से यह गांव महज एक किलोमीटर की दूरी पर है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, खोकेन के निवासियों ने मारे गए तीनों लोगों की पहचान 65 वर्षीय डोमखोहोई, 52 वर्षीय खाइजामंग गुइते और 40 वर्षीय जंगपाओ तौथांग के रूप में की है।

गांव के निवासी और डोमखोई के छोटे भाई थोंगखुप डोंगल ने कहा कि तड़के करीब 40 लोग गांव में दाखिल हुए थे।

उन्होंने कहा, वे अरामबाई तेंगगोल के सदस्यों और पुलिस और आईआरबी की वर्दी पहने हुए थे। उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। करीब दो घंटे तक फायरिंग चलती रही। हमने गांव खाली किया और नजदीकी सीआरपीएफ कैंप गए और उन्हें यह जानकारी दी। सीआरपीएफ और गोरखा रेजीमेंट के गांव में आने के बाद ही हमलावर निकले। वे पांच जिप्सी में आए थे।

डोमखोई को गांव के उस चर्च में मार दिया गया जहां वह प्रार्थना करने गई थी। परिजन ने कहा, दोनों आदमी साधारण किसान थे। मेरी बहन विधवा थी। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने आरोप लगाया कि यह हमला सेना की वर्दी में छिपे घाटी के विद्रोहियों द्वारा किया गया था। घटना के जवाब में जनजातीय एकता सदर हिल्स समिति ने राष्ट्रीय राजमार्ग को फिर से बंद करने का फैसला किया है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने छह प्राथमिकी फिर से दर्ज की हैं और एक डीआईजी-रैंक अधिकारी की अगुवाई में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

आपको बता दें कि मणिपुर में मेइती और कुकी के बीच जातीय हिंसा में लगभग 100 लोगों की जान चली गई थी। एसआईटी में 10 अधिकारी शामिल हैं।

संपादकीय

कठघरे में ट्रंप

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूरे जीवन में ढेर सारे विवाद खड़े किए हैं। विवादों से उनका पुराना नाता है। लेकिन इस बार तो उन्होंने इतिहास ही बना दिया है। वह अमेरिकी इतिहास के पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति बन गए हैं, जिनके खिलाफ किसी आपराधिक मामले में बाकायदा आरोप तय किए गए हैं। इसके पहले वाटरगेट कांड पर रिचर्ड निक्सन के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाया जा सकता था, लेकिन उनके बाद राष्ट्रपति बने गेराल्ड फोर्ड ने इससे इनकार कर दिया। उन्हें इसकी जरूरत भी नहीं लगी होगी, क्योंकि एक तो वह निक्सन की रिपब्लिकन पार्टी के ही थे। फिर यह खतरा भी नहीं था कि अगली बार राष्ट्रपति पद के लिए उन्हें निक्सन से कोई चुनौती मिले। लेकिन मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ ऐसा नहीं है और अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने अभी से ताल ठोकनी शुरू कर दी है। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से फिलहाल वही सबसे बड़े दावेदार नजर आ रहे हैं। फिलहाल ट्रंप के खिलाफ मामला सिर्फ इतना है कि फ्लोरिडा में उनके मारा-लॉगों एस्टेट पर पिछले अगस्त में छापा मारकर सरकारी एजेंसी ने 11 हजार दस्तावेज जब्त किए थे, जिनमें कई बेहद गोपनीय दस्तावेज थे। बताते हैं, 33 बक्सों में बंद इन दस्तावेजों में कुछ ऐसे भी थे, जो ईरान पर अमेरिकी हमले की योजना से संबंधित थे। ये दस्तावेज ट्रंप ने राष्ट्रपति के रूप में हासिल किए थे, जिन्हें उन्होंने लौटाया नहीं। दिलचस्प बात यह है कि कुछ ही समय पहले अमेरिका की फेडरल जांच एजेंसी ने मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के पुराने निवास से भी कई ऐसे दस्तावेज जब्त किए थे, जो उन्होंने तब हासिल किए थे, जब वह उप-राष्ट्रपति थे। एजेंसी के हिसाब से फर्क यह है कि ट्रंप ने उन दस्तावेजों को जानते-बूझते हुए भी न सिर्फ अपने पास रखा था, बल्कि लौटाने से भी इनकार कर दिया। हालांकि, कुछ लोगों का कहना है कि इसका कारण आपराधिक न होकर ट्रंप की वह ढिठाई भी हो सकती है, जिसके लिए वह मशहूर रहे हैं, वरना ईरान वाले दस्तावेज को ही लें, तो इसे अपने पास रखने से भला ट्रंप को क्या मिल सकता था? इस पर भी शक है कि वह इसे किसी तरह इस्तेमाल कर सकते थे। हालांकि, आरोपों का विस्तृत ब्योरा अभी लिफाफे में बंद है। उनको जगजाहिर नहीं किया गया है। अमेरिका में अब इस पर राजनीति शुरू हो गई है। सबसे पहली प्रतिक्रिया ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के एक नेता असा हचिनसन की आई है। हचिनसन खुद राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ना चाहते हैं और इसके लिए जोर लगा रहे हैं। उनका कहना है कि आपराधिक मुकदमा दर्ज हो जाने के बाद अब ट्रंप को राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर हो जाना चाहिए। मगर ट्रंप इतनी आसानी से रेस से बाहर होंगे, इसकी उम्मीद किसी को नहीं है। उनके मतदाताओं और चाहने वालों को इससे फर्क भी नहीं पड़ता। जिस दिन ये आरोप तय हुए, उसी रात उन्होंने चुनाव के लिए रिकॉर्ड चंदा इकट्ठा किया। अमेरिका में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि आरोप तय होने या सजा हो जाने के बावजूद किसी को चुनाव लड़ने से रोका जा सके। इस समय वहां न तो यह सवाल पूछा जा रहा है कि ट्रंप सचमुच अपराधी हैं या नहीं? न ही यह सवाल पूछा जा रहा है कि उन्हें सजा होगी या नहीं? सवाल यह पूछा जा रहा है कि क्या ट्रंप जेल में रहकर चुनाव लड़ेंगे? डोनाल्ड ट्रंप अटकलों को खबरों में बदलने का हुनर जानते हैं।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

कम आय वर्ग को भी मिले जीडीपी वृद्धि का लाभ

मधुरेन्द्र सिन्हा

इस महीने के तीसरे हफ्ते में वह खुशनुमा खबर आई जिसकी सरकार को भी उम्मीद नहीं थी। भारत के सकल विकास की दर (जीडीपी) 2022-23 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च) में 6.1 फीसदी रही जबकि तीसरी तिमाही में यह महज 4.4 फीसदी थी। बाजारों में अनुमान था कि चौथी तिमाही में हमारी अर्थव्यवस्था 5.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। लेकिन केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) के आंकड़ों ने वित्त मंत्री के चेहरे की मुस्कान वापस ला दी। वित्त वर्ष 2022-2023 में विकास की दर 7.2 फीसदी रही। जीडीपी के इन शानदार आंकड़ों ने निराशावादी आर्थिक विशेषज्ञों की भविष्यवाणी को खारिज कर दिया। इनमें रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन भी थे जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि अगर यह 5 फीसदी की दर से भी बढ़ जाये तो भाग्यशाली होगा। इन आंकड़ों ने सत्तारूढ़ दल को बहुत बड़ा मौका दिया अपने आलोचकों की धुलाई करने का। साथ ही मोदी सरकार को एक विश्वास दिलाया कि उसकी आर्थिक नीतियां सही हैं। ध्यान रहे कि जनवरी महीने में अपनी रिपोर्ट में दुनियाभर में आर्थिक मंदी का हवाला देते हुए आईएमएफने कहा था कि 2023 में भारत की जीडीपी की दर 6.1 फीसदी रहेगी जो दुनिया में सबसे ज्यादा होगी। उसकी यह भविष्यवाणी सही निकली। इस खबर की खास बात यह रही कि कृषि क्षेत्र ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। पूरे साल में उसकी विकास दर 4 फीसदी की रही। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बढ़ोतरी पिछले साल की इसी तिमाही के 0.6 से उछलकर 4.5 फीसदी हो गई, जिसने जीडीपी को महत्वपूर्ण बढ़ावा दिया। सर्विस सेक्टर 9.5 फीसदी की दर से बढ़ा जबकि हॉस्पिटेलिटी सेक्टर ने भी बढ़िया प्रदर्शन किया। हवाई यात्रा करने वालों की संख्या में भी महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई, जिससे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में 10 फीसदी से भी ज्यादा की तेजी रही और इसने ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा दिया है। कमर्शियल बैंकों की स्थिति भी ठीक रही और ऋण के उठाव में पिछले साल अप्रैल की तुलना में 2.8 गुना बढ़ोतरी देखी गई। यानी कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के हर हिस्से में तेजी रही, जिससे यह सकारात्मक परिणाम सामने दिख रहे हैं। इतना ही नहीं, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मोरगैन स्टेनली ने अपनी रिपोर्ट इंडिया इक्विटी स्ट्रैटेजी एंड इकोनॉमिक्स : हाउ इंडिया हैज ट्रांसफॉर्म्ड इन लेस दैन ए डिकेड में कहा है कि भारत ने पिछले दस सालों में बहुत तरक्की की है और यह एशिया में तरक्की का वाहक बनेगा। उसने कहा है कि अगले दशक के अंत में भारत की जीडीपी 2032 तक 7.9 खरब डॉलर की होगी। फिलहाल यह 3.1 खरब डॉलर की है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत की पर कैपिटा इनकम अभी के 2200 डॉलर से बढ़कर 2032 तक 5,200 डॉलर हो जायेगी। जीडीपी की दर में यह बढ़ोतरी उत्साहवर्धक है। लेकिन भविष्य की चिंताएं भी सामने हैं।

विदेशी मौसम विशेषज्ञों द्वारा बताया जा रहा है कि इस साल यह आ सकता है। इससे मानसून पर असर पड़ेगा और खेती के सीजन में बारिश कम हो सकती है। इसका असर हमारी खेती पर पड़ेगा और अनाजों का उत्पादन कम होगा, जिससे कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर घट जायेगी, जिसने इस बार हमारी अर्थव्यवस्था को तेजी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश में महंगाई की दर घटी है। लेकिन कई जरूरी चीजों के दाम बढ़े हैं, उनके कारण भी कम इनकम ग्रुप के लोगों की क्रय शक्ति घटी है। स्कूलों में फीस का बढ़ना आम बात है।

सबसे बड़ी चिंता निर्यात की है। हालांकि हमारा आयात भी घटा है लेकिन निर्यात उस स्तर पर नहीं आया है जिसे देखकर उत्साहित हुआ जा सके। रूस-यूक्रेन युद्ध तथा जर्मनी जैसे कुछ देशों में मंदी का आना भारत के लिए चिंता का विषय है। हमारे निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका को जाता है लेकिन वहां की आर्थिक स्थिति चरमराई हुई है और मंदी की आहट गाहे-बगाहे सुनाई देती रहती है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों तथा कम इनकम ग्रुप के लोगों की मांग में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। यह वर्ग बहुत बड़ा है। यहां देखने लायक बात है कि भारतीय अर्थव्यवस्था खपत पर आधारित है और जितनी खपत बढ़ेगी उतना ही ग्रोथ होगा और इस बार ऐसा ही हुआ। खपत बढ़ने से ही कारखानों के पहिये तेजी से दौड़ने लगे हैं। लेकिन अभी जो आंकड़े आ रहे हैं वे बता रहे हैं कि कम इनकम ग्रुप वाले लोग कम खरीदारी कर रहे हैं। इसका उदाहरण है। कम कीमत वाली कारों और बाइक की बिक्री में अभी भी तेजी नहीं आई है जबकि महंगी कारों तथा महंगी बाइक की बिक्री तेजी से बढ़ी। अगर हम कोविड आने के पहले यानी 2018-19 के आंकड़े देखें तो पायेंगे कि अभी तक इनकी बिक्री उस स्तर पर नहीं पहुंची। उदाहरण के लिए एंट्री लेवल स्कूटरों की बिक्री अभी 2018-19 की तुलना में 28 फीसदी कम है।

इसी तरह मोटरसाइकिलों की बिक्री में 38 फीसदी गिरावट आई है। इतना ही नहीं, इनके निर्यात में भी कमी आई है। इस तरह की गिरावट सस्ती कारों की बिक्री में भी आई है। यह ट्रेंड चिंताजनक है। भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माता संघ (सियाम) के अनुसार एंट्री लेवल कारों की बिक्री अपने चरम से गिर गई है और महंगी गाड़ियों खासकर एसयूवी की बिक्री बढ़ गई है। यह जताता है कि कम आय वर्ग के लोगों की क्रय शक्ति घटी है। खपत का ऐसा ही कुछ दृश्य मोबाइल फोन मार्केट में देखने को मिल रहा है जहां महंगे स्मार्टफोन की बिक्री तो बढ़ी है लेकिन सस्ते की बिक्री 2021 की तुलना में 10 फीसदी कम है। इसकी तुलना में एप्पल आई फोन तथा महंगे फोन की बिक्री तेजी से बढ़ी है जबकि सस्ते फोन की बिक्री पिछले पांच सालों से जस की तस है। इससे पता चलता है कि उस वर्ग के लोगों की क्रय क्षमता में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। एक और चिंता अल नीनो की भविष्यवाणी ने बढ़ा दी है। विदेशी मौसम विशेषज्ञों द्वारा बताया जा रहा है कि इस साल यह आ सकता है। इससे मानसून पर असर पड़ेगा और खेती के सीजन में बारिश कम हो सकती है। इसका असर हमारी खेती पर पड़ेगा और अनाजों का उत्पादन कम होगा, जिससे कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर घट जायेगी, जिसने इस बार हमारी अर्थव्यवस्था को तेजी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश में महंगाई की दर घटी है। लेकिन कई जरूरी चीजों के दाम बढ़े हैं, उनके कारण भी कम इनकम ग्रुप के लोगों की क्रय शक्ति घटी है। स्कूलों में फीस का बढ़ना आम बात है।

इसका भी असर मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति पर पड़ रहा है। महंगाई का असर एफएमसीजी की बिक्री पर पड़ा है और कम आय के लोग इनकी कम खरीदारी कर रहे हैं। चिंताएं तो हैं लेकिन कुल मिलाकर हालात ऐसे नहीं हैं कि बहुत चिंता की जाये क्योंकि काफी चीजें ऐसी हैं जो न तो सरकार के हाथों में है और न ही खरीदारों के। इसलिए सरकार उन चीजों पर ज़ोर लगाये जो उसके बस में है- मसलन निर्यात और ग्रामीण आय। महंगाई को नियंत्रण में रखना भी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती रहेगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अदालतों की सुरक्षा और अपराध बनता चुनौती ?

(लेखक - सुनील माथुर)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में स्वयं माफियाराज खत्म करने का दावा करते हैं। सरकार यह ढिंढोरा पीटती है कि राज्य से अपराध का समूल सफाया हो गया है। लेकिन तस्वीर इसके उलट है। अदालतें और जेल भी सुरक्षित नहीं है। लखनऊ के कौसरबाग़ की अदालत में हुईं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के माफिया संजीव महेश्वरी उर्फ़ जीवा की हत्या कम से कम यही साबित करती है। हालांकि यह कोई नई घटना नहीं है। अदालतों में गोलीकांड की एक नहीं अनगिनत घटनाएं हैं। यही हालात जेलों की है यहाँ भी कभी-कभी ऐसी घटनाएं होती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस घटना के बाद ला-एण्ड-ऑर्डर का सवाल उठाया है। उन्होंने प्रदेश में बढ़ते अपराध और महिलाओं की सुरक्षा पर भी सरकार को घेरा है। पत्रकारों से अपराध का डाटा भी गिनाते दिखे। कन्नौज की घटना पर भी उन्होंने सवाल उठाया है।

लखनऊ राज्य की राजधानी है। यह सत्ता का केंद्र बिंदु है। मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, मंत्रालय , पुलिस महानिदेशक सब यहीं रहते हैं। लेकिन राज्य की राजधानी लखनऊ भी सुरक्षित नहीं है। अपराधी बेखौफ होकर अदालत में घुसकर गोलियां बरसाते हैं। उन्हें मुख्यमंत्री के बुलडोजर और एनकाउंटर नीति से जरा भी भय नहीं दिखता। गैंगवार की इस अघोषित लड़ाई में माफिया तो मरते हैं। निर्दोष पुलिस और आम आदमी भी शिकार होता है। जिसका इस लड़ाई से कोई तालुक नहीं होता। पुलिस सुरक्षा और उसकी मौजूदगी में बढ़ती इस तरह की घटनाएं आम से लेकर ख़ास लोगों में भय पैदा करती हैं। जब अदालते नहीं सुरक्षित हैं तो आम आदमी न्याय की उम्मीद कैसे कर सकता है। न्यायधीश को लोग न्याय का देवता मानते हैं। जब उसका मंदिर भी असुरक्षित है तो आम आदमी किससे उम्मीद करे। यह सवाल जायज और चिंता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबित लखनऊ की कैसरबाग की अदालत में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के माफिया संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर हत्या कर दी जाती है। इस घटना में जहां दो पुलिसकर्मी घायल हुए वहीं एक डेढ़ साल की मासूम और उसकी मां को भी गोली लगती है। जीवा पूर्वांचल के माफिया से राजनेता बने मुख्तार अंसारी का करीबी बताया गया है। उसने भाजपा नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या की थी। जिसके बाद उसे आजीवन कारावास की सजा मिली थी। वह मुजफ्फरनगर का रहने वाला था।

जीवा हत्या और दलित उत्पीड़न के मामले में अदालत में पेशी पर आया था। अधिवक्ताओं ने बहादुरी दिखाते हुए गोलीकांड के आरोपी को पकड़ लिया और उसकी अच्छी कुटाई भी किया। वह जौनपुर के केराकत का रहने वाला है। उसका नाम विजय यादव है। पुलिस उसका आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है कि आखिर इसने जीवा की हत्या क्यों और किसके कहने पर किया। इस घटना के बाद राज्य मुख्यालय में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस महानिदेशक ने अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था को और दुरुस्त करने का आदेश दिया है।

अदालत परिसर में इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद जीवा की हत्या करने का आरोपी अधिवक्ता के भेष में सीधे कोर्ट रूम में कैसे घुस गया। अदालत परिसर और कोर्ट रूम के बाहर पुलिस की अच्छी-खासी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। बिना जांच-पड़ताल के न्यायाधीश की अदालत में ऐसे लोगों को क्यों जाने दिया गया। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जीवा के अदालत में पेश होने के पहले ही हत्या का आरोपी

अधिवक्ता के भेष में वहां बैठा था। यह सब कैसे संभव है। निश्चित रूप से कहीं न कहीं से सुरक्षा व्यवस्था में चूक का मामला है।

माफिया से राजनीति में प्रवेश करने वाले अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की भी अप्रैल में कुछ इसी तरह गोली मारकर हत्या कर दी गयीं थी। जब उसे प्रयागराज के काल्विन अस्पताल से मेडिकल जांच के बाद जब पुलिस अभिक्षा में लाया जा रहा था उसी दौरान ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर दोनों भाइयों की हत्या कर दी गयीं। इस घटना के बाद सनसनी फैल गई और सरकार के कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे। लेकिन इसके बाद भी कोई सबक नहीं लिया गया। पूर्वांचल का माफिया डॉन मुन्ना बजरंगी की भी जेल में गोली मारकर कर इसी तरह हत्या कर दी गई थी। जबकि अपराधियों के लिए जेल सबसे सुरक्षित मानी जाती है। लेकिन इसके बावजूद भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई खास सुधार नहीं हो पाया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ की छवि अपराध के खिलाफ बेहद सख्त मानी जाती है। अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर और एनकाउंटर नीति देश की मीडिया में छायी रहीं, लेकिन इसके बावजूद भी अपराधियों के हौसले पस्त नहीं हुए। सबसे सुरक्षित माने जाने वाली अदालत में अब इनकी धमक पहुंच गयीं है। यह वाजिब सवाल है कि हम किसी अपराधी के महिमामंडन की बात नहीं करते हैं। अतीक, असरफ, मुन्ना बजरंगी और जीवा के मरने की वकालत हम नहीं कर रहे हैं। क्योंकि सभी लोग एक अपराधी थे और अपराधी की तरह मारे गए। कहा भी गया है जो जैसा बोएगा वैसा काटेगा। लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तो सवाल उठेंगे। क्योंकि यह सरकार और कानून-व्यवस्था से जुड़ा सवाल है।

सम्बंधित घटनाओं से यह साबित होता है कि अपराधियों में मुख्यमंत्री के एनकाउंटर नीति का कोई खौफ नहीं है। अगर ऐसा होता तो निश्चित रूप से मेडिकल जांच से आते समय अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या न होती। अदालत परिसर में जीवा खुले आम गोलियां का शिकार न बनता। उदाहरण के लिए यह दो घटनाएं साबित करती हैं कि उत्तर प्रदेश में माफियाराज की जडें अभी काफी मजबूत हैं। उन्हें कहीं न कहीं से खाद-पानी मिल रहा है। अतीक की हत्या करने वाले पत्रकार के वेश में आए थे जबकि जीवा को ठिकाने लगाने वाला अधिवक्ता के रूप में आया। यह साबित होता है कि अपराध अपना ट्रेंड और तरीका भी बदल रहा है। इस तरह की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस को भी अपना नजरिया बदलना होगा। अदालतों और जिलों की सुरक्षा व्यवस्था को सख्त करन होगी। क्योंकि मामला कानून-व्यवस्था से जुड़ा है।

(लेखक-वरिष्ठ पत्रकार)

दो पाटों के बीच फंसी भाजपा?

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय जनता पार्टी ने बहु संख्यक मतदाताओं के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों का समर्थन पाने के प्रयास शुरू किया हैं। उससे भाजपा दो पाटों के बीच में फंसती हुई दिख रही है। जब जब राजनीतिक दल या सरकारें सभी वर्गों को एक साथ साधने की कोशिश करती हैं। तब वह सभी का विश्वास खोने लगती हैं। इसके कई उदाहरण हैं। अटल बिहारी बाजपेई ने भी सरकार में बने रहने के लिए सॉफ्ट हिंदुत्व का सहारा लेते हुए नेहरू की नीतियों पर चलने की कोशिश की। इससे हिंदू समर्थक नाराज हुए। संघ से भी उनकी दूरियां बनी वहीं अन्य वर्गों का सहयोग नहीं मिला, जो उन्हें अपेक्षित था। 2004 के चुनाव में शाइनिंग इंडिया के दौरान उनकी करारी पराजय हुई। लालकृष्ण आडवाणी ने भी हार्ड हिंदुत्व को छोड़कर, अटल बिहारी बाजपेई की तरह सॉफ्ट हिंदुत्व की छवि बनाने की कोशिश की। उसके बाद भी 2009 के लोकसभा चुनाव जो आडवाणी के नेतृत्व में लड़ा गया उसमें भाजपा को करारी पराजय का सामना करना पड़ा। सभी वर्गों के बीच तुष्टीकरण की नीति को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा हिंदू और मुसलमानों के बीच भाजपा की पकड़ बनाने के लिए सर्वधर्म समभाव को लेकर पिछले कई महीनों से प्रयास शुरू किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले 7 साल के कार्यकाल में मुसलमानों और ईसाइयों को लक्ष्य करके उन्हें डराया और धमकाया गया। जब वह पूरी तरीके से डर गए। उन्हें मलहम पट्टी लगाकर, सहानुभूति प्रदर्शित करके अपने साथ लाने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए सुनियोजित तरीके से पशमंदा मुसलमानों, बहोरा मुसलमान, शिया मुसलमानों को अन्य मुसलमानों से बांटने का सुनियोजित प्रयास किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी छवि को बदलने का जो प्रयास शुरू किया है। हर किसी को साधने की जो कोशिश की जा रही है। उससे उसका जो प्रभाव बहुसंख्यक हिंदुओं पर था। वह उससे छिटक रहा है। पिछले कई विधानसभा चुनाव जो 1 साल के अंदर हुए हैं। उसके परिणाम देखकर भारतीय जनता पार्टी को सबक लेने की जरूरत है। अन्ना आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने भी वही गलती की थी, जो गलती कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों ने की थी। बिना तथ्यों के उसने भ्रष्टाचार के आरोप में अपने मंत्रियों की बलि चढ़ा दी। अन्ना आंदोलन के दबाव में आकर जिस तरह से कांग्रेस ने लोकपाल विधेयक पास कराया। दबाव में आकर बहुत सारे निर्णय लिए उससे कांग्रेस को कोई फायदा नहीं हुआ। उल्टे 2014 के लोकसभा चुनाव में उसे करारी पराजय का सामना करना पड़ा। मतदाताओं के बीच उसकी छवि कमजोर हुई। हाल ही में किसानों के आंदोलन में 1 साल तक आंदोलन चला। जिस मामले में सरकार को तुरंत संवेदनशीलता के साथ निर्णय करने थे, वह नहीं किया। 1 साल चले आंदोलन के बाद तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। यही हाल पहलवानों के आंदोलन में भी देखने को मिल रहा है। 6 महीने से इस मामले को लटकाकर रखा जा रहा था। पहलवानों और बृजभूषण सिंह दोनों को साधने की कोशिश की जा रही थी। लेकिन सरकार किसी को भी नहीं साध पाई। पहलवानों के इस आंदोलन में केंद्र सरकार भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की छवि को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। नए संसद भवन के उद्घाटन में भी सरकार ने वही गलती की। उल्टे राजदंड को स्थापित कराकर राजतंत्र और लोकतंत्र के बीच एक नई बहस शुरू करा दी। आज का मतदाता अपने धर्म पर शर्मिंदा नहीं होता है, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान। भारत की सामाजिक व्यवस्था में दोनों ही धार्मिक समुदाय के लोग वर्षों से साथ रह रहे थे। विभिन्न धर्म, विभिन्न जातियां तथा विभिन्न भाषा के लोग भिन्न-भिन्न संस्कृतियों के साथ मिलजुल कर रहते है। मुसलमानों को लक्ष्य करके हिंदुओं और मुसलमानों के मन में जो भय फैलाया गया। उसके लिए जिस तरीके से सोशल मीडिया में सही गलत छवि मुसलमानों की बनाने की कोशिश की गई। उसे हिंदुओं के मन में भय व्याप्त हुआ। 2014 और 2019 के लोकसभा के चुनाव में इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिला, केवल भय के सारे हिंदुओं को एकजुट होकर नहीं रखा जा सकता है। पिछले 9 वर्षों की महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी तथा पिछले वर्षों में जिस तेजी के साथ टैक्स बढ़ाकर आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ाया गया है, उससे समाज के सभी धर्म और समुदाय के लोग प्रभावित हुए हैं। बड़े धार्मिक समुदाय मुसलमान और ईसाइयों को भी भारतीय जनता पार्टी में लाने के जो प्रयास किए जा रहे है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रमुख का मुसलमानों के यहां जाना। केरल में ईसाइयों को भारतीय जनता पार्टी से जोड़ने की, बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों और प्रचारकों एवं हिन्दू संगठनों में देखने को मिल रही है। महंगाई, बेरोजगारी और टैक्स के कारण सरकार आम जनता के बीच अलोकप्रिय हो रही है। इसका खामियाजा बहुसंख्यक हिंदुओं को ही भुगतना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में सभी को साधने की जो कोशिश, उत्तर भारत के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेंटनेंस की वजह से बंद हुई थी इनकम टैक्स की वेबसाइट

मुंबई । इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की तारीख 31 जुलाई, 2023 है लेकिन शुक्रवार को सुबह से आयकर विभाग का ई-पोर्टल काम नहीं कर रहा था। इसके चलते टैक्सपेयर्स को आईटीआर फाइल करने में परेशानी आई। हालांकि ई-पोर्टल सुबह 11:30 बजे के बाद वापस से काम करने लगा है। बताया जा रहा है कि कोई बड़ी तकनीकी गड़बड़ी नहीं थी। सामान्य मेन्टेन्स के कारण वेबसाइट काम नहीं कर रही थी। इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल को पुरानी ई-फाइलिंग वेबसाइट को बदलने के लिए 2021 में लॉन्च किया गया था। अब पोर्टल मान्य रूप से काम कर रहा है। टैक्सपेयर्स अब अपना आईटीआर जमा कर सकते हैं और टैक्स संबंधी अन्य गतिविधियां वेबसाइट या पोर्टल पर ऑनलाइन कर सकते हैं। टैक्सपेयर्स इस वेबसाइट के माध्यम से अपना आईटीआर जमा कर सकते हैं। आधार कार्ड को अपने पैन कार्ड से लिंक कर सकते हैं, ऑडिट रिपोर्ट फाइल कर सकते हैं। आईटीआर का ई-वेरिफिकेशन कर सकते हैं, फॉर्म 26एएस देख सकते हैं। इतना ही नहीं ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

ईवी के लिए इंश्योरेंस लेते समय कुछ बातों का रखें ध्यान

नई दिल्ली । भारत में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने का ट्रेंड तेजी से बढ़ता चला जा रहा है। इलेक्ट्रिक गाड़ियां पर्यावरण के लिए नुकसानदायक न होने के साथ-साथ कार खरीदार के लिए भी किफायती साबित होती हैं। हालांकि, इन कारों की कीमत पेट्रोल-डीजल की अपेक्षा अधिक होती हैं। इस वजह से इलेक्ट्रिक कारों के लिए इंश्योरेंस लेना बेहद जरूरी हो जाता है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों में बैटरी और कई महंगे इलेक्ट्रिक पार्ट्स का प्रयोग किया जाता है, जिस कारण इंश्योरेंस लेते समय कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। इलेक्ट्रिक वाहन का मूल्य पेट्रोल कार की अपेक्षा अधिक होता है। इस कारण आपको इंश्योरेंस लेते समय इस बात पर फोकस करना चाहिए कि इंश्योरेंस में आ रही आईडीवी आपके गाड़ी की मौजूदा कीमत के बराबार हो। आईडीवी वह राशि होती है, जिस आधार पर इंश्योरेंस कंपनी क्लेम का भुगतान करती है। ईवी में पेट्रोल या डीजल कार की अपेक्षा कई महंगे इलेक्ट्रिक पार्ट्स जैसे बैटरी पैक, पावर सप्लाई यूनिट और मैकेनिकल सिस्टम लगे होते हैं, जिन्हें इंश्योरेंस में कवर किया जाना जरूरी होता है। इंश्योरेंस लेते समय इन सभी महंगे पार्ट्स के लिए ऐड ऑन लेना न भूलें। किसी भी कार के लिए जीरी डेप्रिसिएशन कवर लेना जरूरी होता है। सामान्य इंश्योरेंस कवर में कंपनियां साल दर साल गाड़ी की आयु के हिसाब से डेप्रिसिएशन लगाती हैं, इस कारण आपकी क्लेम की राशि कम हो जाती है। वहीं अगर आप जीरी डेप्रिसिएशन कवर लेते बिना किसी कटौती के पूरा क्लेम मिलता है।

पीवीपीएल ने राजस्थान में दो नए सीएनजी थ्री-व्हीलर किए लॉन्च

जयपुर । पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड (पीवीपीएल) इटली के ऑटो दिग्गज पियोजियो ग्रुप की 100 फीसदी सहायक कंपनी और भारत में छोटे कमर्शल वाहनों की प्रमुख निर्माता कंपनी है। इसने जयपुर में दो नए सीएनजी थ्री-व्हीलर प्रॉडक्ट्स, आपे एक्सट्रा एलडीएक्स (कार्गो व्हीकल) और आपे मेट्रो (पैसेंजर व्हीकल) को लॉन्च किया है। इन दोनों वाहनों को पियाजियो निर्मित 230सीसी के नए सीएनजी इंजन से लैस किया गया है। यह 3-वॉल्व की टेक्नोलॉजी से लैस अल्युमीनियम से बना हल्के वजन का इंजन है। यह एयर कूल्ड और स्वाभाविक रूप से चलने वाला इंजन अपनी श्रेणी में बेहतरीन माइलेज प्रदान करता है। साथ ही यह उच्च दर्जे की क्षमता, रखरखाव की कम लागत खींचने की उच्च शक्ति और सर्वश्रेष्ठ ढंग से कार्य करने की दक्षता की पेशकश करता है। इस अवसर पर पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी डिएगो ग्राफी ने कहा कि हमारे क्रांतिकारी आपे वाहन ईंधन की बचत करने की क्षमता से लैस है। यह हमारे उपभोक्ताओं की जरूरतों को बेहतरीन ढंग से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चाहे वह सीएनजी हो, एलपीजी हो, पेट्रोल हो या इलेक्ट्रिक, हमारा प्रॉडक्ट सभी लोगों की जरूरतें पूरी करता है।

केंद्र की टेस्ला को आयात शुल्क में छूट देने की मंशा नहीं

- आधिकारिक सूत्रों ने दी यह जानकारी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि अमेरिकी कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी टेस्ला को आयात शुल्क में कोई भी छूट देने की फिलहाल कोई मंशा नहीं है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि टेस्ला लंबे समय से भारतीय बाजार में आने को लेकर दिलचस्पी दिखा रही है और सप्लाई चेन बनाने की कोशिश में है। इसको लेकर एलन मस्क की कंपनी के अधिकारियों ने इंडिया का दौरा किया था और कई सरकारी विभागों से संपर्क कर अधिकारियों से बातचीत भी की थी। आधिकारिक सूत्र के अनुसार सरकार की तरफ से टेस्ला के अधिकारियों को ये साफ कर दिया गया है कि ये आयात हमारी वरीयता में ही नहीं है। कंपनी लगातार सप्लाई चेन बनाने को लेकर चर्चा कर रही है लेकिन ऐसा कुछ सरकार ने फिलहाल नहीं सोचा है।

आधिकारी ने बताया कि टेस्ला को किसी भी तरह की रियायत या छूट देने के संबंध में केंद्र सरकार सोच भी नहीं रही है। हालांकि ये मामला राज्य सरकार के स्तर पर हो सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य यदि चाहें तो अपनी तरफ से किसी तरह की छूट देने की पेशकश जरूर कर सकते हैं। ये राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा का मामला हो सकता है लेकिन केंद्र अपने स्तर पर किसी भी तरह की छूट फिलहाल नहीं दे रही है और इस बात को स्पष्ट तौर पर टेस्ला के अधिकारियों को बता दिया गया है। गौरतलब है कि टेस्ला 2021 से ही इंडिया में एंट्री के लिए लगातार अधिकारियों से संपर्क कर रही है। टेस्ला की मांग है कि कारों पर लगने वाले आयात शुल्क में कटौती की जाए।

हालांकि केंद्र सरकार ने पहले भी इस मांग को पूरी तरह से खारिज कर दिया था। इसके बाद मई 2023 में टेस्ला के प्रतिनिधियों ने एक बार फिर केंद्र सरकार के अधिकारियों से इस संबंध में संपर्क साधा था। गौरतलब है कि आयात शुल्क में कटौती की मांग टेस्ला के सीईओ ऐलन मस्क भी कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि इंडिया में इंपोर्ट होने वाली कारों पर आयात शुल्क के तौर पर 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक वसूला जाता है।

ईडी ने फेमा उल्लंघन में शाओमी और तीन विदेशी बैंकों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 5,551 करोड़ रुपए से ज्यादा के विदेशी मुद्रा कानून उल्लंघन मामले में चीनी मोबाइल फोन विनिर्माता शाओमी, उसके मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) और निदेशक समीर बी राव, पूर्व प्रबंध निदेशक (एमडी) मनु कुमार जैन और तीन विदेशी बैंकों को कारण बताओ नोटिस भेजा है। वित्तीय जांच एजेंसी ने एक बयान में यह जानकारी दी। इसके मुताबिक विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के निर्णायक प्राधिकरण ने फेमा की धारा 16 के अंतर्गत शाओमी टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, उसके दो अधिकारियों, सिटी बैंक, एचएसबीसी बैंक और डच बैंक एजी को नोटिस भेजे हैं। फेमा मामले की जांच पूरी होने के बाद कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है और जब मामले का निपटान होता है तो आरोपी को उल्लंघन राशि का तीन गुना तक जुर्माना चुकाना पड़ सकता है। जांच एजेंसी ने कहा कि शाओमी के साथ जैन और राव को भी यह नोटिस भेज दिया गया है। ईडी ने इससे पहले अवैध धनप्रेषण के मामले में शाओमी टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खातों में जमा 5,551.27 करोड़ रुपए जब्त कर लिए थे।

इक्विटी म्युचुअल फंड में निवेश घटकर 3,240 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । इक्विटी म्युचुअल फंड में होने वाला निवेश मई के महीने में आधा होकर 3,240 करोड़ रुपए रह गया। चढ़ते बाजार में निवेशकों के मुनो फा वसूली करने से इस निवेश में लगातार दूसरे महीने गिरावट आई है। म्यूचुअल फंड का प्रबंधन करने वाली कंपनियों के संगठन एम्फी की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों से यह तथ्य सामने आया है। हालांकि इक्विटी वर्ग में पूंजी प्रवाह बने रहने का यह लगातार 27वां महीना रहा। म्युचुअल फंड उद्योग में निवेश मई में भी जारी रहा और ऋण-उन्मुख योजनाओं में 57,420 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। इससे पिछले महीने में 1.21 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ था। ऋण आधारित योजनाओं में पिछले महीने शुद्ध रूप से 46,000 करोड़ रुपए का निवेश आया, जो अप्रैल में आए 1.06 लाख करोड़ के निवेश के आधे से भी कम है। म्यूचुअल फंड उद्योग के प्रबंधन-अधीन परिसंपत्तियों का आकार अप्रैल अंत के 41.62 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर मई अंत में 43.2 लाख करोड़ रुपए हो गया। आंकड़ों के अनुसार मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 3,240 करोड़ रुपए आए, जो अप्रैल में आए 6,480 करोड़ रुपए से बहुत कम हैं। इसके पहले मार्च में शुद्ध निवेश 20,534 करोड़ रुपए का हुआ था।

दिग्गज कंपनियों और घरेलू अरबपति कारोबारियों की नजर उपभोक्ता बाजार पर

- ग्लोबल ब्रांडों को अपनी तरफ खींच रहा भारत का तेजी से बढ़ रहा उपभोक्ता बाजार

नई दिल्ली ।

एचयूएल के भारत प्रमुख ने आगाह किया कि उनके उत्तराधिकारी रोहित जावा को तेजी से बढ़ते कॉम्पिटिशन को नेविगेट करना होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी जैसे घरेलू बिजनेस टाइकून सहित दिग्गज ग्लोबल कंपनियां भारत में तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजार में अपने पैर जमाने की दौड़ में शामिल हैं। एचयूएल के एमडी और सीईओ संजीव मेहता ने कहा कि एक तरफ अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां भारत पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं, दूसरी तरफ बड़ी घरेलू कंपनियां अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए बड़ी आकांक्षाएं पाले हुए हैं। वह कहते हैं कि डव साबुन, लिप्टन चाय और मैग्नम आइसक्रीम के निर्माताओं के लिए यह स्थिति किसी खतरे से कम नहीं है। भारत के उपभोक्ता बाजार में निवेशकों की तेजी से बढ़ती रुचि के बीच मेहता ने पिछले महीने एचयूएल की बागडोर रोहित जावा के हाथों में सौंप दी। घरेलू अरबपति अंबानी और अदाणी के साथ ही साथ टाटा ग्रुप जैसे समूह भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए अपनी पहुंच को बढ़ा रहे हैं। बता दें कि भारत पहले ही दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन को पछाड़ चुका है।

भारत का तेजी से बढ़ रहा उपभोक्ता बाजार ग्लोबल ब्रांडों को अपनी तरफ खींच रहा है। इन ब्रांडों में एमेजान भी शामिल है, जो 2030 तक भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में 12.7 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहा है। एप्पल देश में तीन नए स्टोर खोलने पर विचार कर रहा है।

दक्षिण एशियाई देश भी मैन्युफैक्चरिंग में चीन के दबदबे को चुनौती देने के लिए अपनी पैठ बना रहा है, विशेष रूप से चिप्स और इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट में। दक्षिण एशियाई देश चाइना-प्लस-वन रणनीति के साथ अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के लिए और अधिक फर्मों को आकर्षित करना चाह रहा है। बहुत कम बहुराष्ट्रीय कंपनियां होंगी जिनकी रणनीति में भारत टॉप पर नहीं होगा। हर बड़ी कंपनी इसे दोगुना करना चाहेगी।

गोफर्स्ट के ऋणदाताओं ने की पुनरुद्धार योजना पर चर्चा

- लेनदारों ने शैलेंद्र अजमेरा को रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल नियुक्त किया

नई दिल्ली ।

गोफर्स्ट के ऋणदाताओं ने बंद पड़ी विमानन कंपनी के लिए पुनरुद्धार योजना पर चर्चा की। लेनदारों ने एक बैठक में कंसल्टेंसी ईवाई के शैलेंद्र अजमेरा को रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल नियुक्त किया। नकदी संकट से जूझ रही गोफर्स्ट ने 2 मई को दिवालिया होने की घोषणा की थी। विमानन कंपनी दिवालिया याचिका को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने 10 मई को स्वीकार किया था। ट्रिब्यूनल ने यह भी पुष्टि की थी कि अल्वारेज ऐंड मार्सल के अभिलाष लाल अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल थे। मगर लेनदारों ने एक नए रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल को चुना है क्योंकि लाल को गो फर्स्ट के प्रबंधन द्वारा चुना गया था। लेनदारों ने समाधान प्रक्रिया के लिए एक नए सलाहकार और एक कानूनी परामर्शदाता का भी चयन किया है। समझा जाता है कि सभी प्रस्तावों को सौ फीसदी मतों से पारित किया गया है। एक ऋणदाता के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की नियुक्ति को पहले एनसीएलटी द्वारा पुष्टि करनी होगी। रकम के लिए आवेदन भी उन्हीं के द्वारा किया जाएगा। बैंक आवेदन की योग्यता और अपने बोर्ड की मंजूरी के आधार पर निर्णय लेंगे। सामान्य तौर पर बैंक इस विमानन कंपनी के परिचालन को दोबारा शुरू कराना चाहते हैं। हम अपनी रकम तभी वसूल पाएंगे जब विमानन कंपनी का परिचालन जारी रहेगा।

इससे पहले गो फर्स्ट ने 22 विमानों के साथ अपना परिचालन दोबारा शुरू करने के लिए बैंकों से 200 करोड़ रुपये की उधारी मांगी थी। इस रकम का उपयोग परिचालन खर्च के लिए कार्यशील पूंजी के तौर पर किया जाएगा। विमानन कंपनी के एक सूत्र ने कहा कि बैंकों ने विमानन कंपनी की वित्तीय जरूरतों के बारे में आंतरिक तौर पर चर्चा की है। उनके अधिकारियों ने डीजीसीए और नागर विमानन मंत्रालय के अधिकारियों से भी मुलाकात की है और यह समझने की कोशिश की है कि क्या उसे नियामक का समर्थन है।

मुझे लगता है कि बैंक आश्वस्त हो गए हैं। इसलिए गो फर्स्ट को बैंकों से रकम मिलने की उम्मीद है और वह अपनी उड़ानें जल्द से जल्द शुरू करना चाहेगी।

वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने रक्षा बजट 15.5 प्रतिशत बढ़ाया

इस्लामाबाद । नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने हाल ही में पेश अगले वित्त वर्ष के बजट में रक्षा क्षेत्र पर व्यय को 15.5 प्रतिशत बढ़ाकर 1.8 लाख करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव रखा। घटते विदेशी भंडार से होने वाली संभावित भुगतान चूक को रोकने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 14.4 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। वित्त मंत्री इशाक डार ने संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में बजट पेश करते हुए कहा कि आगामी वित्त वर्ष में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि दर का लक्ष्य रखा गया है। डार ने कहा` कि इस बजट को चुनावी बजट के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। इसे एक जिम्मेदार बजट के तौर पर देखा जाना चाहिए। पिछले वर्ष अप्रैल में इमरान खान सरकार हटने के बाद से जारी राजनीतिक अस्थिरता के बीच पाकिस्तान में इसी वर्ष चुनाव होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र के लिए बजट में 1,804 अरब रुपए का प्रस्ताव रखा गया है जो पिछले साल के 1,523 अरब रुपए के प्रस्ताव से 15.5 प्रतिशत अधिक है। रक्षा व्यय पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 1.7 प्रतिशत है। बजट में सबसे ज्यादा 7,303 अरब रुपये का प्रावधान कर्ज भुगतान के लिए किया गया है।वित्त मंत्री ने कहा कि अगले वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का लक्ष्य 21 प्रतिशत रखा गया है जबकि बजटीय घाटा जीडीपी का 6.54 प्रतिशत होगा।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) शेयर बाजार में रहा उतार-चढ़ाव, आधा फीसदी गिरावट रही

मुंबई ।

पिछले सप्ताह मजबूती के साथ बंद हुए शेयर बाजार इस सप्ताह हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में कमजोर शुरुआत के बीच निवेशकों ने दैनिक उपभोग के सामान बनाने वाली एफएमजीसी कंपनियों, आईटी कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को बिकवाली देखी गई जिससे प्रमुख शेयर बाजार इंडेक्सेसक्स और निफ्टी में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। कारोबारियों के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी प्रमुख कंपनी के शेयरों में बिकवाली के दबाव से भी बाजार में कमजोरी आई। शेयर बाजार के पिछले पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले पहले दिन सोमवार को शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत हुई है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 350 अंक चढ़कर 62,900 पर खुला और 240.36 अंक चढ़कर 62,787.47 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 50 अंकों की उछाल के साथ 18500 पर खुला और 59.75 अंक की बढ़त के साथ 18,593.85 पर बंद हुआ। मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में कारोबार की सुस्त शुरुआत हुई है। सेंसेक्स 36.40 अंकों की बढ़त के साथ 62,823.87 पर खुला और 5.41 अंकों की बढ़त के साथ 62,792.88 पर बंद हुआ। निफ्टी 16.50 अंक चढ़कर 18,610.35 पर खुला और 5.15 अंक उछलकर 18,599.00 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 124.51 अंक की बढ़त के साथ 62,917 पर खुला और 350.08 अंकों की बढ़त के साथ 63,142.96 पर बंद हुआ। निफ्टी 66.60 अंक की बढ़त के साथ 18,665 पर खुला और 127.40 अंक मजबूत होकर 18,726.40 पर बंद हुआ। आरबीआई एमपीसी के फैसले से पहले गुरुवार को सेंसेक्स 16.94 अंकों की बढ़त के साथ 63,159.90 पर खुला और 294.32 अंक फिसलकर 62,848.64 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 18.85 अंक मजबूत होकर 18,745.25 पर खुला और 91.85 अंकों की गिरावट के साथ 18,634.55 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 58.58 अंकों की गिरावट के साथ 62,790.06 पर खुला और 223.01 अंक (0.35 प्रतिशत) गिरकर 62,625.63 पर बंद हुआ। निफ्टी 21.70 अंक कमजोर होकर 18,613.30 पर खुला और 71.15 अंक (0.38 प्रतिशत) टूटकर 18,563.40 पर बंद हुआ।

पेट्रोल और डीजल की कीमत कुछ राज्यों में बढ़ी

- ब्रेंट क्रूड 1.17 डॉलर की गिरावट के साथ 74.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शे निवार को गिरावट दिख रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.12 डॉलर गिरकर 70.17 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 1.17 डॉलर की गिरावट के साथ 74.79 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। हरियाणा में पेट्रोल 24 पैसे और डीजल 23 पैसे सस्ता हुआ है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल के दाम में 17 पैसे की गिरावट है। वहीं राजस्थान में पेट्रोल 1.03 पैसे और डीजल 93 पैसे महंगा हो गया है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 पैसे और डीजल 41 पैसे महंगा हुआ है। इसके अलावा पंजाब में पेट्रोल 51 और डीजल 48 पैसे महंगा हुआ है। गुजरात और महाराष्ट्र में भी पेट्रोल डीजल के दाम में हल्की तेजी देखने को मिल रही है। महानगरों की बात करें तो चेन्नई में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़े हैं।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.80 रुपए और डीजल 94.40 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.77 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एलन मस्क की टेस्ला को पछाड़ आगे निकली एनवीडिया

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की टेस्ला को पछाड़कर एनवीडिया आगे निकल गई है। यह कंपनी गेमर्स के लिए ग्राफिक्स कार्ड बनाती थी लेकिन फिर इसने एआई के लिए चिप्स बनाने शुरू किए।

रातोंरात यह कंपनी सुर्खियों में आ गई। एआई चिप्स की बढ़ती डिमांड ने इस कंपनी के शेयरों को पंख लगा दिए। हाल में इस कंपनी का मार्केट कैप एक घंटे में 220 अरब डॉलर बढ़ गया। इस साल इसके शेयरों में अब तक 180 फीसदी तेजी आ चुकी है। पिछले दिनों एक समय इसका मार्केट कैप एक ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया था। दुनिया में अब तक केवल नौ कंपनियों को यह मुकाम हासिल हुआ है। फिलहाल यह कंपनी 951.19 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की छठी सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसका मार्केट कैप दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी टेस्ला से भी ज्यादा है। टेस्ला का मार्केट कैप 744.38 अरब डॉलर है।

अभी केवल पांच कंपनियां एक ट्रिलियन डॉलर क्लब में शामिल हैं। इनमें आईफोन बनाने वाली ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट, ऐमजॉन और सऊदी अरामको शामिल हैं। अब एनवीडिया भी इसकी दहलीज पर पहुंच गई है। कंपनी ने हाल में अपने जबरदस्त मुनाफे और स्ट्रॉन्ग रेवेन्यू पूवार्नुमान की घोषणा करके शेयर बाजार को चौंका दिया था।

पिछली तिमाही में कंपनी का मुनाफा 26 फीसदी बढ़कर दो अरब डॉलर हो गया और बिक्री 19 फीसदी बढ़कर 7.2 अरब डॉलर रही।

आईपीओ लाने की तैयारी में ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक 1 अरब डॉलर का आईपीओ लाने के लिए कमर कस रही है। कंपनी अगले सप्ताह सिंगापुर और अमेरिका में निवेशकों के साथ अपनी नियोजित स्टॉक मार्केट लिस्टिंग पर बातचीत करेगी। आईपीओ के लिए यह कंपनी की निवेशकों के साथ पहली बातचीत होगी। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के हवाले से रॉयटर्स ने यह जानकारी दी। इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता ओला इलेक्ट्रिक की योजना वर्ष 2023 के अंत तक आईपीओ की मदद से 60 करोड़ डॉलर से 1 अरब डॉलर के बीच पूंजी जुटाने की है। बता दें कि ओला को सॉफ्टबैंक और टेमासेक जैसे निवेशकों का समर्थन प्राप्त है। आईपीओ की पेशकश के लिए अभी काफी समय है, ऐसे में ओला भारत के ईवी बाजार की व्यावसायिक क्षमता को समझाने के लिए समय से पहले ही निवेशकों के साथ बैठकें कर रही है। बताया जा रहा है` कि ओला के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल अगले दो हफ्तों में सिंगापुर, अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा करेंगे। अग्रवाल ने निवेशकों से मिलने की योजना बनाई है, जिसमें ब्लैक रॉक, सिंगापुर के सॉवरेन वेल्थ फंड जीआईसी और टी रोवी प्राइज जैसे म्यूचुअल फंड शामिल हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने कहा कि ओला इलेक्ट्रिक आईपीओ पर मंजूरी के लिए नियामकीय दस्तावेज अगस्त तक दाखिल कर सकती है।

डब्ल्यूटीसी फाइनलः भारत को पहली पारी में 296 रन पर समेटने के बाद ऑस्ट्रेलिया की धमाकेदार शुरुआत

लंदन। (एजेंसी)। अजिंक्य रहाणे (89) और शारदुल ठाकुर (51) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच सातवें विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी से भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के तीसरी दिन फॉलोऑन बचाया। भारत को पहली पारी में 296 रन पर समेटने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने चाय के विश्राम तक अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 23 रन बना लिये।ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त 196 रन की हो गयी और चाय के विश्राम के समय उस्मान ख्वाजा 13 और मार्नस लाबुशेन आठ रन बनाकर खेल रहे थे। लंच के बाद दूसरे ओवर में ही कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर कैमरून ग्रीन ने शानदार कैच लपककर रहाणे की यादगार पारी को खत्म किया। उन्होंने 129 गेंद में 11 चौके और एक छक्का लगाया। दूसरे छोर से शारदुल ने बेहतरीन तरीके से उनका साथ निभाया। रहाणे के बाद कमिंस ने उमेश यादव (पांच) को बोल्ड कर तीसरी सफलता हासिल की। क्रीज पर आये मोहम्मद शमी ने अगले ओवर में स्कॉट बोलैंड के खिलाफ दो चौके लगाये।

शारदुल ने इसके बाद कमिंस की गेंद पर दर्शनीय स्ट्रेट ड्राइव और कवर ड्राइव पर चौके लगाकर 108 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह हालांकि अपनी पारी को ज्यादा आगे नहीं बढ़ा पाये और ग्रीन की गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी को आउट कराया। मिशेल स्टार्क ने शमी (13) को विकेट के पीछे लपकवा कर भारत की पारी को खत्म किया। इस तरह लंच के विश्राम तक छह विकेट पर 260 रन बनाने वालीभारतीय टीम ने दूसरे सत्र में महज 36 रन जोड़ के बाकी के चारों विकेट गंवा दिये। मोहम्मद सिराज ने दूसरी पारी में भी शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने चौथे ओवर में डेविड वार्नर को चलता करने के बाद दो बार मार्नुस लाबुशेन को छकाया। दोनों बार गेंद लाबुशेन के शरीर पर लगी। भारत ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर 151 रन से आगे से की और पहले सत्र में उसे इकलौता झटका श्रीकर भरत (पांच रन) के रूप में लगा। भरत बीते दिन के अपने स्कोर में कोई इजाफा किये बिना दिन की दूसरी गेंद पर स्कॉट बोलैंड का दूसरा शिकार बने। रहाणे और शारदुल ने इसके बाद मजबूत जज्बे से बल्लेबाजी की। दोनों को तीन जीवनदान भी मिले लेकिन शुरुआती आधे घंटे के खेल में कप्तान पैट कमिंस और बोलैंड की शानदार गेंदबाजी के सामने दोनों को कई बार चोटिल हुए। बोलैंड की गेंद पर तीसरे स्लिप में उस्मान ख्वाजा ने शारदुल का आसान कैच टपका दिया।

इस गेंदबाज के अगले ओवर में गेंद ने शारदुल के बल्ले का किनारा लिया लेकिन यह स्लिप के क्षेत्ररक्षकों के दूर से चौके के लिए चली गयी। भारतीय पारी के 42वें ओवर में कमिंस की गेंद पर शारदुल दो बार चोटिल हुए। दोनों बार गेंद उनके दायें हाथ पर लगी और टीम के फिजियो को मैदान पर आना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाज इस समय भारतीय बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई मौका नहीं दे रहे थे लेकिन दूसरे छोर से संभल कर बल्लेबाजी कर रहे रहाणे ने बोलैंड की गेंद पर गली और प्वाइंट के क्षेत्ररक्षकों के बीच से आत्मविश्वास से भरा चौका जड़कर दबाव कम किया। पारी के 44वें ओवर में कमिंस की गेंद पर कैमरून ग्रीन ने गली क्षेत्र में शारदुल का कैच टपकाया और इस बल्लेबाज को दूसरा जीवनदान दिया। रहाणे ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के अगले ओवर में चौका और फिर शानदार हुक शॉट पर छक्का लगाकर 92 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर टीम में वापसी का जश्न मनाया। उन्होंने ग्रीन के खिलाफ स्लिप के ऊपर से चौका जड़कर शारदुल के साथ अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की और फिर दिलकश कवर ड्राइव पर गेंद को बाउंड्री के पार भेजा। रहाणे के इन करारे प्रहार का असर शारदुल की बल्लेबाजी पर भी दिखा और उन्होंने स्टार्क के खिलाफ कवर क्षेत्र में

जोरदार चौका जड़ा।

ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद शारदुल को ज्यादा बल्लेबाजी कराने की रणनीति बनायी जिससे रहाणे को आसानी से एक-एक दौडकर लेने का मौका मिला। ठाकुर ने हालांकि 50वें और 54वें ओवर में स्टार्क के खिलाफ चौके लगाकर उनकी रणनीति को विफल कर दिया। इस दौरान रहाणे ने 55वें ओवर में ग्रीन की गेंद पर दो रन लेकर टेस्ट क्रिकेट में 5000 रन पूरे करने वाले 13वें भारतीय बने। इस पारी से पहले उनके नाम 82 टेस्ट में 4931 रन थे। अगले ओवर में गेंदबाजी के लिए आयें कमिंस की गेंद पर पहले स्लिप में डेविड वार्नर से रहाणे का कैच छूट गया। लगातार 18 ओवर तक तेज गेंदबाजों से गेंदबाजी करने के बाद कमिंस ने विकेट की तलाश में नाथन लियोन को गेंद थमाई और रहाणे ने चौके के साथ उनका स्वागत किया। अगले ओवर में शारदुल ने शानदार फ्लिक लगाकर चौका जड़ा। रहाणे ने 59वें ओवर में लियोन की दूसरी गेंद पर साथ एक रन लेकर टीम के स्कोर को 250 तक पहुंचाया। उन्होंने चौथी गेंद पर बैकफुट पंच पर चौका जड़ शारदुल के साथ शतकीय साझेदारी पूरी करने के बाद ओवर का समापन भी इसी अंदाज में किया। कमिंस की शारदुल ठाकुर के खिलाफ पगबाधा की अपील पर मैदान अंपायर ने उंगली उठा दी लेकिन भारतीय बल्लेबाज ने रिव्यू लेने का फैसला किया और टीवी रीप्ले के बाद इसे नो बॉल करार दिया गया।

कार्लोस अल्काराज को हराकर जोकोविच फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे, इतिहास रचने से सिर्फ एक कदम दूर हैं नोवाक

पेरिस(एजेंसी)। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अब 23वें ग्रैंड स्लैम खिताब को जीतने के बेहद करीब पहुंच गए है। नौ जून को फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन के कार्लोस अल्काराज को हराकर 22 बार के विजेता नौवाक जोकोविच ने फाइनल में एंट्री मारी है। पुरुष एकर मुकाबले में विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी अल्कराज को हारकर उन्होंने फाइनल का टिकट पक्का किया है।

नोवाक जोकोविच ने अपने अनुभव और शानदार फिटनेस का इस्तेमाल करते हुए शुक्रवार को फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में कार्लोस अल्कराज को 6-3, 5-7, 6-1, 6-1 से शिकस्त देकर रिकॉर्ड 23वें ग्रैंड स्लैम खिताब की ओर कदम बढ़ाया। विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज अल्काराज को उन्होंने 6-3, 5-7, 6-1, 6-1 से हराया।

वह रिकॉर्ड 23वें गैंड स्लैम खिताब से एक शॉट पीछे है। अल्काराज ने इस दौरान शानदार शॉट लगाकर दूसरे सेट को अपने नाम किया। लेकिन इसके बाद उन पर थकान हावी हो गया और ग्रैंड स्लैम में अपना 45वां सेमीफाइनल खेल रहे विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज सर्बिया के खिलाड़ी को जीत दर्ज करने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। बता दें कि दोनों खिलाड़ियों के बीच ये मुकाबला 3 घंटे और 23 सेकेंड तक चला।

क्रैंप ने बढ़ाई थी अल्कराज की मुश्किल

अल्काराज ने थकान और मांसपेशियों की खिंचाव से निपटने के लिए ब्रेक का सहारा लिया लेकिन इससे उन्हें कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पहला सेट गंवा दिया था मगर अगले सेट में उन्होंने वापसी की। इसके बाद तीसरे सेच में फिर उन्हें क्रैम्प आया और उनकी लय टूट गई जिसके बाद उनके लिए वापसी करना मुश्किल हो गया। जोकोविच ने मैच जीतने के बाद कहा, 'मैं उनकी परेशानी को समझ सकता हूं। उनके लिए बुरा लग रहा है। उम्मीद है वह इससे जल्दी उबर जायेंगे। बता दें कि अल्कराज को हराने के बाद अब जोकोविच का फाइनल में मुकाबला कैस्पर रूड या एलेक्जेंडर ज़्वेरेव में से किसी एक खिलाड़ी से होगा। गौरतलब है कि नोवाक जोकोविच अब इतिहास रचने के बेहद करीब पहुंच गए है। राफेल नडाल और जोकोविच दोनों ने ही 22 ग्रैंड स्लैम खिलाब अपने नाम किए है। इस बार अगर जोकोविच खिताब जीतने में सफल होते हैं तो वो सबसे अधिक 23 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी बनेंगे और इतिहास रच देंगे। वो राफेल नडाल से भी आगे निकल जाएंगे। वहीं अगर नोवाक ने इस ग्रैंड स्लैम पर कब्जा किया तो वो ना सिर्फ सबसे अधिक ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी बनेंगे बल्कि टेनिस प्लेयर की सूची में शीर्ष पायदान पर भी पहुंच जाएंगे।

आईसीसी एकदिवसीय क्वालीफायर के लिए पथिराना और हेमंथा श्रीलंकाई टीम में शामिल

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने जिम्बाब्वे में होने वाले आईसीसी एकदिवसीय पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इसमें जूनियर मलिंगा के रूप में लोकप्रिय हुए मथीशा पथिराना को भी शामिल किया गया है। पथिराना ने हाल ही में हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से शानदार गेंदबाजी की थी।

अफगानिस्तान के खिलाफ इस महीने एकदिवसीय में पदार्पण करते हुए डेब्यू मैच में ही पथिराना ने एक विकेट लिया था। मलिंगा के साथ पथिराना की तुलना का मुख्य कारण दोनों खिलाड़ियों की गेंदबाजी की शैली में समानता का होना माना गया है। अब वह श्रीलंकाई टीम में शामिल रहेंगे। श्रीलंकाई टीम का लक्ष्य टूर्नामेंट के दो क्वालीफिकेशन स्थानों में से एक स्थान हासिल करना है।

पथिराना के अलावा दुशान हेमंथा को भी टीम में जगह मिली है। दुशान ने भी केवल एक ही एकदिवसीय खेला है। वहीं अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज को टीम में जगह नहीं मिली है। सीडब्ल्यूसी क्वालीफायर 18 जून से शुरू होगा जिसमें 10 टीमें इस साल के अंत में भारत में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में बचे अंतिम दो स्थानों के लिए उतरेंगी।

विश्व कप जीतना है तो भारत को बेखौफ खेलना होगा : हरभजन सिंह

लंदन (एजेंसी)। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि यदि विश्व कप जीतना है तो बेखौफ खेलना होगा। मौजूदा टीम इंडिया ने वह निर्भीकता नहीं दिखाई जो आईसीसी खिताब जीतने के लिए चाहिए होती है। गौरतलब है कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे दिन अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद बैकफुट पर है। भज्जी ने यह भी कहा कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में चार तेज गेंदबाजों को लेकर उतरने का फैसला सही नही था। उन्होंने कहा, 'कौशल में कोई कमी नहीं है। जितने बड़े मैच खेलेंगे, उतना ही बेहतर होगा। मुझे लगता है कि ऐसे मैचों में खुलकर खेलने की जरूरत है। हम अधिक रक्षात्मक हो रहे हैं। हमें नतीजे की परवाह किये बिना खुलकर खेलना होगा।'पिछले दस साल में एक भी आईसीसी खिताब नहीं जीत सकी भारतीय टीम की

स्थिति आस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल में खराब है। यहां कमेंटेटर की भूमिका में आये हरभजन ने भारतीय खिलाड़ियों को नतीजे की चिंता किये बिना खेलने की सलाह दी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में हैट्रिक ले चुके हरभजन सिंह ने कहा, 'खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी डाल दें और वह जरूर अपना काम पूरा करेंगे। उन पर दबाव डाला जाये कि अच्छा नहीं खेलने पर कुछ बाहर हो जाएंगे और कुछ नहीं तो उनका आत्मविश्वास कम हो जाएगा।

हरभजन ने कहा कि उन्हें आत्मविश्वास देने की जरूरत है कि भले ही अच्छा नहीं खेल सको लेकिन अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करो। इसी तरह से कप जीते जाते हैं। बेखौफ खेलो। दुनिया के नंबर एक टेस्ट गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को बाहर रहना पड़ा क्योंकि भारत चार तेज गेंदबाजों और एक स्पिनर को लेकर उतरा है। हरभजन ने कहा कि मैच पांच दिन का है तो पांच दिन के हालात देखकर गेंदबाजों को चुनना होता है। अश्विन बेहतरीन गेंदबाज हैं और चार तेज गेंदबाजों की जरूरत नहीं थी। चौथा और पांचवां दिन भी पहले दिन की तरह महत्वपूर्ण होता है और यह अहम है कि उन दिनों में आप कैसे खेलते हैं।

ऑस्ट्रेलिया जो भी टारगेट दें हम उस चेंज करने को तैयार : रहाणे

लंदन । विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फाइनल मैच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी है जिसमें ऑस्ट्रेलिया का पलडा भारी नजर आ रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 469 बनाने के बाद भारत को 269 रनों पर ढेर कर दिया था। फाइनल मुकाबलें के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 123 रन बना लिए हैं। वहीं भारत की ओर से सबसे बड़ी पारी खेलने वाले अजिंक्य रहाणे ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जो भी टारगेट हमारे लिए सेट करेगी हम उसे चेज करना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम चाहेगी कि खेल के चौथे दिन ज्यादा से ज्यादा रन बनाकर एक बड़ा टारगेट भारतीय टीम के सामने रखा जाए। वहीं रहाणे को पूरा भरोसा है कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया द्वारा निर्धारित टारगेट को हासिल कर लेगी। सौरव गांगुली के सवाल पर उन्होंने कहा जो भी टारगेट ऑस्ट्रेलिया सेट करेगी हम उस टारगेट को चेज करना चाहते हैं। काफी अच्छी बात है कि आज हमारी गेंदबाजी बेहतरीन रही लेकिन हमें कल भी इसी तरह के परफॉर्मेंस को रिपीट करना होगा। लंच से पहले का सेशन काफी अहम होगा। अगर हम जल्दी विकेट चटकाते हैं तब फिर उनके रनों को रोक सकते हैं। हमने अच्छी वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया इस वक्त थोड़ा आगे है लेकिन हमने देखा है कि अगर सेशन और दिन आपके फेवर में रहे तब फिर आप कमबैक कर सकते हैं।

भारत एशिया कप तीरंदाजी के तीसरे चरण में पांचवें स्थान पर रहा, छह रजत और एक कांस्य के साथ करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंगापुर। भारतीय तीरंदाज एशिया कप के तीसरे चरण में कोरिया और चीन के खिलाफ अपने सभी छह फाइनल मैच में शनिवार को दबाव में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सके और पदक तालिका में अपने अभियान को पांचवें स्थान के साथ खत्म किया। भारत एक भी स्वर्ण पदक जीतने में नाकाम रहा लेकिन टीम ने छह रजत पदक और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। तीरंदाजी 'पावर हाउस' कोरिया चार स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा जबकि चीन चार स्वर्ण और तीन कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

भारत को दिन के शुरुआती मुकाबले में कोरिया से शिकस्त मिली। साक्षी चौधरी, प्रगति और दीपिका की भारतीय महिला कम्पाउंड टीम को इस मुकाबले में 232-234 से हार का सामना करना पड़ा। पुरुषों के कम्पाउंड मुकाबले में भी भारतीय टीम को 235-238 से पराजय का सामना करना पड़ा। रिकर्व महिला टीम भी फाइनल में कोरिया की चुनौती से पर नहीं पा सकी। रिधि फोर, रूमा बिस्वास और अदिति जायसवाल को 3-5 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत की पुरुष रिकर्व टीम फाइनल में चीन से 1-5 से हार गयी। पार्थ सालुंके को पुरुष रिकर्व मैच में चीन के क्यूई जियांगशुओ ने 6-2 से हराया। भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाज रूमा बिस्वास चीन की एएन किजुआन से 2-6 से हार गयी प्रगति ने कम्पाउंड महिला व्यक्तिगत तीसरे स्थान के प्लेऑफ में अपनी टीम की साथी दीपशिखा को 147-146 से हराकर भारत के लिए कांस्य पदक जीता।

वेस्टइंडीज के जिमनास्ट क्रिकेटर ने चौका लगाकर टीम को जिताई सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज की टीम में शामिल एक जिमनास्ट क्रिकेटर ने चौका लगार सीरीज जिताने में कामयाबी हासिल की है। वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर से पहले यूएई को उसी के घर में 3 वनडे की सीरीज में क्लीन स्वीप किया। शारजाह में शुक्रवार को खेला गया तीसरा और आखिरी वनडे भी मेहमान टीम ने 4 विकेट से जीता। इस तरह वेस्टइंडीज ने 3-0 से सीरीज अपने नाम की। वेस्टइंडीज की जीत में 2 खिलाड़ी एलिक अथानाजे और केविन सिंक्लेयर की अहम भूमिका रही। एलिक ने बल्ले से रिकॉर्ड बनाया तो सिंक्लेयर ने वापसी पर गेंद से कमाल दिखाया और टीम को जीत दिलाई। केविन सिंक्लेयर ने वेस्टइंडीज के लिए पिछला वनडे अगस्त 2022 में खेला था। इसके बाद उन्होंने यूएई के खिलाफ कमबैक किया और कमाल की बॉलिंग की। उन्होंने 7.1 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट

लिए। इस धाकड़ प्रदर्शन के बाद उन्होंने अपने पुराने अंदाज में विकेट का जश्न मनाया और कैरेबियन प्रीमियर लीग में जिस तरह से उन्होंने कई मर्तबा समरसॉल्ट लगाकर विकेट का जश्न मनाया था, वैसा ही कुछ यूएई के खिलाफ भी किया।

इधर वनडे डेब्यू करने वाले एलिक अथानाजे ने भी कमाल की पारी खेली। उन्होंने 45 गेंद में 65 रन की पारी खेली। एलिक ने वनडे डेब्यू पर 26 गेंद में अर्धशतक जमाया और उन्होंने भारत के ऋणाल पंड्या के सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की। एलिक ने अपनी पारी में 9 चौके और 3 छक्के उड़ाए। उनकी इस पारी की मदद से वेस्टइंडीज ने 185 रन के टारगेट को 89 गेंद रहते हासिल कर लिया। मैच में यूएई ने पहले बैटिंग करते हुए 36.1 ओवर में 184 रन बनाए। एक समय यूएई का स्कोर 2 विकेट पर 142 रन था। पर इसके बाद सिंक्लेयर की फिरकी के जाल में यूएई के बैटर ऐसे फंसे कि अगले 8 विकेट महज 42 रन में खो दिए। वेस्टइंडीज की पारी भी लड़खड़ा गई थी और 150 रन के भीतर ही आधी टीम पवेलियन लौट गई थी। लेकिन रोस्टन चेज ने एक छोर संभाले रखा और नाबाद 27 रन बना टीम को जीत दिला दी।

फेथ किपयेगोनने एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार बनाया विश्व रिकॉर्ड

पेरिस। कीनिया की फेथ किपयेगोन ने यहां डायमंड लीग मीट में 5000 मीटर रेस में 14 मिनट 5.20 सेकंड के समय के साथ शुक्रवार को यहां महिला वर्ग में नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया। दो बार की इस ओलंपिक चैम्पियन ने पिछले सप्ताह फ्लोरेंस में गोल्डन गाला एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ को तीन मिनट 49.11 सेकंड में पूरा कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। वह इस दौड़ में तीन मिनट 50 सेकंड से कम का समय निकालने वाली दुनिया की पहली महिला एथलीट बन गई थी। किपयेगोन ने पेरिस में अपने आखिरी लैप को 61.1 सेकंड में पूरा कर लेटेसेनबेट गिडे के रिकॉर्ड को 1.42 सेकंड के अंतर से तोड़ा। गिडे ने 2020 में 14 मिनट 07.94 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया था। लेमेचा गिरमा ने बाद में पुरुषों की 3,000 मीटर स्टीपलचेज में 19 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। इथियोपिया के 22 साल के एथलीट ने सात मिनट 52.11 सेकंड के समय के साथ 2004 में सैद सईद शाहीन के बनाये गये विश्व रिकॉर्ड में 1.52 सेकंड से सुधार किया।

अंतरराष्ट्रीय रैफरी सिंह का दावा कई मौकों पर महिला पहलवानों के प्रति सिंह का अनुचित रवैया देखा

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय रैफरी जगबीर सिंह ने दावा किया कि उन्होंने 2013 के बाद से कई मौकों पर महिला पहलवानों के प्रति बृजभूषण शरण सिंह का अनुचित रवैया देखा है। बजरंग पूनिया विनेश फोगाट और साक्षी मलिक सहित भारत के शीर्ष पहलवान महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोप में भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। जगबीर ने कहा मैं 2007 से यूडब्ल्यूडब्ल्यू का रैफरी हूं और प्रदर्शनकारी पहलवानों के जन्म से पहले से रैफरिंग कर रहा हूं । मैं बृजभूषण को भी लंबे समय से जानता हूं। उन्होंने कहा लड़कियों के शिकायत दर्ज कराने तक मैं ज्यादा कुछ कह नहीं सका। मैं कुछ कर भी नहीं सका लेकिन मैंने अपनी आंखों से देखा है और मुझे बुरा लगा है। उन्होंने कहा उसके अध्यक्ष बनने के बाद 2013 में कजाखस्तान के दूसरे दौरे पर सिंह ने हमसे कहा कि मैं आज भारतीय खाना खिलाऊंगा और जूनियर पहलवानों के होटल में पार्टी रखी। उन्होंने कहा बृजभूषण नशे में धुत थे और लड़कियों से बदसलूकी की। मैंने यह अपनी आंखों से देखा है। जगबीर ने कहा वर्ष 2022 में मैने कुछ देखा। जब भी बृजभूषण राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिये देश में यात्रा करते तब दो या तीन लड़कियां उनके साथ रहती लेकिन हम कभी विरोध नहीं कर सके। मैंने अपनी आंखों से देखा है। जगबीर दिल्ली पुलिस के सामने भी कह चुके हैं कि प्रदर्शनकारी पहलवानों के आरोप सही हैं। बृजभूषण द्वारा आरोपों को खारिज करने पर उन्होंने कहा क्या कोई चोर कभी कहता है कि उसने चोरी की है। हर दोषी इसतरह के ही बहाने बनाता है। उन्होंने नाबालिग पहलवान के पिता के यू टर्न लेने पर कोई टिप्पणी करने से इंकार किया। उन्होंने कहा मैं नाबालिग लड़की के पिता के बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। मैं जानता भी नहीं कि वह नाबालिग पहलवान कौन है । मैं वहीं कह रहा हूं जो मैने अपनी आंखों से देखा है।

डब्ल्यूटीसी फाइनलः रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास, दिग्गज क्रिकेटर को पीछे छोड़ हासिल की यह खास उपलब्धि

लंदन (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धी हासिल की है। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनरों के बीच खेल के इतिहास में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले बिशन सिंह बेदी को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। रवींद्र जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे आईसीसी डब्ल्यूटीसी फाइनल में सीम-फ्रेंडली ट्रैक पर विकेट हासिल करने में कामयाब रहे।

हासिल की उपलब्धी

ऑलराउंडर ने यह उपलब्धि तब हासिल की जब उन्होंने दूसरी पारी में स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड को आउट किया। भारतीय ऑलराउंडर मौजूदा डब्ल्यूटीसी फाइनल में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। पहली पारी में 48 रन बनाने के बाद, अनुभवी क्रिकेटर ने दिन के अंतिम सत्र में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर गेंद से प्रभावित किया। जडेजा ने स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड को आउट किया। इन दो विकेट के साथ, जडेजा भारतीय स्पिन महान बिशन सिंह बेदी के 266 टेस्ट स्कैलप्स को पीछे छोड़ते हुए अब तक के सबसे सफल भारतीय बाएं हाथ के स्पिनर बन गए है।

8 बार स्टीव स्मिथ को आउट भी किया

दूसरी पारी में अपने दो विकेट लेने के बाद, रवींद्र जडेजा न केवल बिशन सिंह बेदी से आगे निकल गए हैं, बल्कि अब केवल रंगना हेराथ, डेनियल विटोरी और डेरेक अंडरवुड से पीछे हैं। इस रिकॉर्ड के अलावा, उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 8 बार स्टीव स्मिथ को आउट भी किया, जो स्टुअर्ट ब्रॉड (9) के बाद दूसरा सबसे ज्यादा है। जिस तरह का प्रदर्शन उन्होंने आज गेंद के साथ दिखाया, उससे चौथे दिन गेंद के साथ बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद है।

मैच में क्या हुआ

अजिंक्य रहाणे (89) और शारदुल ठाकुर (51) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच सातवें विकेट के लिए 109 रन की साझेदारी से भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के तीसरे दिन शुक्रवार को कुछ हद तक वापसी करने में सफल रहा लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में चार विकेट पर 120 रन बनाकर अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली। पहली पारी में 469 रन बनाने

वाले ऑस्ट्रेलिया ने भारत की पहली पारी को 296 रन पर समेट कर 173 रन की बढ़त कायम करने के बाद दिन का खेल खत्म होने तक अपनी कुल बढ़त 296 रन की कर ली है। भारत को मैच में बने रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया के बाकी बचे छह विकेट जल्दी चटकाने होंगे और फिर बल्लेबाजों से प्रभावी प्रदर्शन की उम्मीद करनी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चे क्यों करते हैं शिकायत

मम्मा! देखो यह मुझे डॉल से खेलने नहीं दे रहा, इसने मेरी बुक फाड़ दी, यह मुझे चिढ़ा रहा है...पेरेंट्स को अकसर ऐसी शिकायतों से रूबरू होना पड़ता है, पर कुछ बच्चों को बेवजह हर बात पर बड़ों से शिकायत करने की आदत पड़ जाती है। ऐसी स्थिति में यह समझना बहुत ज़रूरी है कि बच्चे को वास्तव में कोई परेशानी है या उसकी आदत ही ऐसी है।

स्वाभाविक है यह

दो-ढ़ाई साल की उम्र से ही बच्चों में ऐसी आदतें दिखने लगती हैं। यह उनके भावनात्मक विकास का ज़रूरी हिस्सा है। इस उम्र से ही बच्चों में अधिकार की भावना विकसित हो जाती है। वे किसी के साथ अपनी चीज़ें शेयर नहीं करना चाहते। इसी उम्र में खुद से उनका जुड़ाव होता है। जब भी उन्हें ऐसा लगता है कि कोई दूसरा उनका नुकसान पहुंचाने वाला है तो वे शोर मचा कर विरोध प्रदर्शित करते हैं। उनका ऐसा व्यवहार सुरक्षा की दृष्टि से बेहद कारगर साबित होता है, लेकिन दिक्क़त तब होती है जब बच्चे बेवजह छोटी बातों पर नाराज़ होकर शिकायत करते हैं या पांच साल की उम्र के बाद भी उनमें यही आदत बनी रहती है।

क्या है असली वजह

दरअसल छोटे बच्चे स्थितियों और व्यवहार से जुड़ी बारीक़ियों को समझने में असमर्थ होते हैं। उनके लिए कोई भी बात पूरी तरह सही या ग़लत होती है। सही-ग़लत के काले-सफ़ेद रंगों के बीच मौजूद ग्रे शेड को पहचानकर उसके अनुकूल व्यवहार करने की क्षमता इतनी छोटी उम्र में विकसित नहीं होती। भाई-बहनों और दोस्तों से छोटी-छोटी शिकायतें करते हुए ही बच्चे सही-ग़लत की पहचान करना सीखते हैं। इसी के साथ उनमें नैतिकता की भावना विकसित होती है। खेलकूद के दौरान होने वाले छोटे-छोटे झगड़ों से भी कई ऐसी बातें सीखने को मिलती हैं, जो ताउम्र उसके काम आती हैं। ऐसे में उसे आपके सहयोग की ज़रूरत होती है। आप उसे समझाएं कि छोटी-छोटी बातों के लिए मम्मी-पापा से शिकायत नहीं करनी चाहिए। अगर किसी दोस्त से तुम्हारा झगड़ा हो तो उसे खुद सुलझाने की कोशिश करो। हां, जब भी तुम्हें किसी से डर लगे या कोई ख़तरा महसूस हो तो हमें ज़रूर बताओ।

कैसे निबटें शिकायतों से

सबसे पहले बड़ों को यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि क्या सचमुच उनके बच्चे को कोई परेशानी है? उसकी पूरी बात सुने बिना अपने आप यह मान लेना अनुचित है कि बच्चे तो ऐसा करते ही हैं। चाहे कितनी भी व्यस्तता हो, दो मिनट रुक कर धैर्यपूर्वक उसकी पूरी बात ज़रूर सुनें। ऐसा करना बहुत ज़रूरी है क्योंकि कई बार बच्चे सचमुच बहुत परेशान होते हैं और उनकी सुरक्षा के लिए बड़ों का बीच में बोलना ज़रूरी होता है। बच्चों में यह तय करने की क्षमता नहीं होती कि कौन सी स्थितियां उसकी सुरक्षा की दृष्टि से नुकसानदेह साबित हो सकती हैं। ऐसे में जो व्यक्ति बच्चों के साथ होता है, उसकी यह ज़िम्मेदारी बनती है कि उन पर नज़र रखते हुए वह समझने की कोशिश करे कि उनके बीच खिलौनों के लिए मामूली छीना-झपटी हो रही है या मारपीट। कुछ बच्चों का व्यवहार बेहद आक्रामक होता है। इसलिए बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को समझाएं कि तुम किसी से झगड़ा मत करना, लेकिन तुम्हें जब भी कोई ख़तरा महसूस हो तो आसपास मौजूद अंकल या आंटी को ज़रूर बताना।

छोटे बच्चे स्थितियों और व्यवहार से जुड़ी बारीक़ियों को समझने में असमर्थ होते हैं। उनके लिए कोई भी बात पूरी तरह सही या ग़लत होती है। सही-ग़लत के काले-सफ़ेद रंगों के बीच मौजूद ग्रे शेड को पहचानकर उसके अनुकूल व्यवहार करने की क्षमता इतनी छोटी उम्र में विकसित नहीं होती। भाई-बहनों और दोस्तों से छोटी-छोटी शिकायतें करते हुए ही बच्चे सही-ग़लत की पहचान करना सीखते हैं। इसी के साथ उनमें नैतिकता की भावना विकसित होती है। खेलकूद के दौरान होने वाले छोटे-छोटे झगड़ों से भी कई ऐसी बातें सीखने को मिलती हैं, जो ताउम्र उसके काम आती हैं। ऐसे में उसे आपके सहयोग की ज़रूरत होती है। आप उसे समझाएं कि छोटी-छोटी बातों के लिए मम्मी-पापा से शिकायत नहीं करनी चाहिए। अगर किसी दोस्त से तुम्हारा झगड़ा हो तो उसे खुद सुलझाने की कोशिश करो। हां, जब भी तुम्हें किसी से डर लगे या कोई ख़तरा महसूस हो तो हमें ज़रूर बताओ।

समझदारी से बनेगी बात

यह सच है कि बच्चों के बीच होने वाले छोटे-छोटे झगड़े उनकी नासमझी की वजह से होते हैं। ऐसे में उन्हें बड़ों के सहयोग की ज़रूरत होती है। अगर कोई दूसरा बच्चा आपके बेटे से उसका मनपसंद खिलौना छीन लेता है और वह रोता हुआ आपके पास शिकायत लेकर आता है तो ऐसी स्थिति में आप उन दोनों को बारी-बारी से खेलने सलाह दे सकती हैं। अगर वे फिर भी न मानें तो वह खिलौना वापस मांग कर अपने पास रख लें और उनसे कोई दूसरा गेम खेलने को कहें। जब भी आपके बच्चे का किसी से कोई झगड़ा हो तो हल के रूप में उसके सामने कम से कम दो-तीन विकल्प ज़रूर रखें। इससे वह आसानी से अपने विवाद सुलझाना सीख जाएगा।

क्या है असली मंशा

पेरेंट्स के लिए बच्चे की असली मंशा समझना बहुत ज़रूरी है। कुछ बच्चे आठ-दस साल की उम्र तक पहुंचने के बाद भी हर बात के लिए माता-पिता के पास पहुंच जाते हैं या अपनी छोटी सी परेशानी को भी बहुत बढ़ा-चढ़ा कर बताते हैं। बच्चे की भलाई के लिए यह बेहद ज़रूरी है कि माता-पिता निष्पक्ष रूप से अपने उसकी ख़ूबियों-ख़ामियों का विश्लेषण करें। कुछ बच्चों को झूठी शिकायत करके अपने दोस्तों को डांट सुनवाने में मज़ा आता है तो कुछ बड़ों के सामने अच्छा इंप्रेशन बनाने के लिए भी भाई-बहनों की शिकायत करते हैं। कई बार वे दोस्तों पर रौब जमाने के लिए भी ऐसा करते हैं। जिन बच्चों में दूसरों का ध्यान अपनी ओर खींचने की आदत होती है, वे भी बेवजह चुगली करते हैं। अगर आपका बच्चा ऐसी वजहों से शिकायत करता है तो आप उसकी इस आदत को किसी भी हाल में बढ़ावा न दें। अगर आप पूरी बात जाने-समझे बिना उसकी हर शिकायत पर दूसरे बच्चों को डाटेंगी तो वह कभी भी अपनी समस्याएं सुलझाना सीख नहीं पाएगा। हां, अगर वह आपका ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए ऐसा कर रहा हो तो उस वक़्त आप भले ही उसकी बातों को नज़रअंदाज़ कर दें, पर बाद में उसके साथ भरपूर क्वॉलिटी बिताएं और उसकी सारी बातें ध्यान से सुनें।

ठीक नहीं है मनमानी

केवल भाई-बहनों या दोस्तों के बीच मनमानी करने के लिए अगर वह आपसे शिकायत करता है तो उसकी ऐसी बातों को गंभीरता न लें। जब आपको ऐसा लगे कि सचमुच उसकी शिकायत जायज़ है तभी दूसरे बच्चे को टोकें। अगर आप अपने बच्चे की उम्र और मानसिक परिपक्वता को लेकर संतुष्ट हैं कि वह अपने झगड़े खुद सुलझा लेगा तो उसे और उसके साथ मौजूद दोस्तों को प्यार से समझा दें कि जब तक बहुत ज़रूरी न हो वे आपके पास कोई शिकायत लेकर न आएं। पेरेंटिंग के मामले में यह समझना बहुत ज़रूरी है कि दो बच्चों के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर मामूली विवाद होना स्वाभाविक है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि सिर्फ़ एक शरारत के आधार पर किसी बच्चे को आप हमेशा ग़लत समझें। छोटी सी ग़लती की वजह से कोई बच्चा हमेशा के लिए दोषी नहीं बन जाता। ऐसी स्थिति कुछ पेरेंट्स ग़लती नहीं करने वाले बच्चे को कुछ विशेषाधिकार सौंप देते हैं कि तुम अपने दूसरे भाई-बहनों पर निगरानी रखो। अगर वे ग़लती करें तो मुझे बताओ। ऐसा करना ठीक नहीं है क्योंकि कई बार यही %आज्ञाकारी बच्चे' माता-पिता की शह पा पाकर भाई-बहनों पर बेवजह रौब जमाने लगते हैं, शिकायत की धमकी देकर वे कई बार भाई/बहन से अपने सारे काम करवा लेते हैं। इसलिए अगर घर में एक से ज़्यादा बच्चे हैं तो सभी को समान रूप से अनुशासित करने की ज़िम्मेदारी माता-पिता की होनी चाहिए। अपने एक बच्चे को दूसरे का अभिभावक न बनने दें । इससे कोई भी अनुशासित नहीं होगा। इतना ही नहीं इसकी वजह से बड़े होने के बाद भी उनके आपसी रिश्ते में

धैर्य और आत्मविश्वास से निखरती है प्रतिभा

हर किसी में छुपी होती है एक खास प्रतिभा, बस उसे पहचानने भर की देर है, फिर देखिए आपकी छिपी हुई खूबी निखरकर कैसे आपकी एक अलग पहचान बनाती है। पूरे धैर्य व आत्मविश्वास से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। यह सब मैंने पापा से बचपन से सुना है, लेकिन इस बात का एहसास मुझे 14 वर्ष की उम्र में हुआ, जब मैंने अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचाना। किताबों में बने चित्र या कैलेंडर में बने देवी-देवताओं के चित्र मुझे बचपन से ही लुभाते रहे हैं, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भी इस तरह के सुंदर चित्र बना पाऊंगी। मैं सोचती रहती कि जिस भगवान ने इंसान व प्रकृति की इतनी सुंदर व सजीव आकृतियां बनाई हैं, जिसकी सबसे सुंदर कृति हम इंसान हैं, क्या कभी मैं उन भगवान के चित्र को खुद अपनी कला में उतार पाऊंगी? पर यह असंभव कार्य तब संभव हुआ, जब पापा की दी हुई सीख को ध्यान में रखकर एक दिन मैंने भगवान कृष्ण का चित्र बनाने की कोशिश की। मेरे अथक प्रयास व धैर्य से बनाने पर कृष्ण का बड़ा ही सुंदर व मनमोहक चित्र उभरकर सामने आया, जिसे देखकर मैं और मेरे घरवाले बहुत खुश हुए। तब से लेकर आज तक मैंने तमाम चित्र बनाए हैं और मेरी चित्रकारी ने एक अलग पहचान बनाई है। जब पास-पड़ोस के लोग मुझसे देवी-देवताओं का या कोई और चित्र बनवाने के लिए आते हैं, तो बहुत सुकून मिलता है। इसलिए दोस्तो, मैं आप सभी से यही कहना चाहूंगी कि आप भी अपनी प्रतिभा को पहचानें और उसी कार्य को करें जिसे करने में आपको आनंद आता हो। चाहे वह पढ़ाई हो, एक्टिंग, सिंगिंग, चित्रकारी या समाजसेवा से जुड़ा कोई कार्य। पूरे जोश व आत्मविश्वास के साथ उस काम को करिए तथा धैर्य के साथ सफलता पाने के लिए प्रयास करते रहिए। अंत में इन पंक्तियों से अपनी बात समाप्त करना चाहूंगी = साधना में धैर्य रखना बड़ी बात है, बीज बोकर कितनी प्रतीक्षा करनी होती है, एक दिन प्रतीक्षा प्राप्ति में बदलती है, बीज फटकर पौधे के रूप में आ जाते हैं भूमि से बाहर।

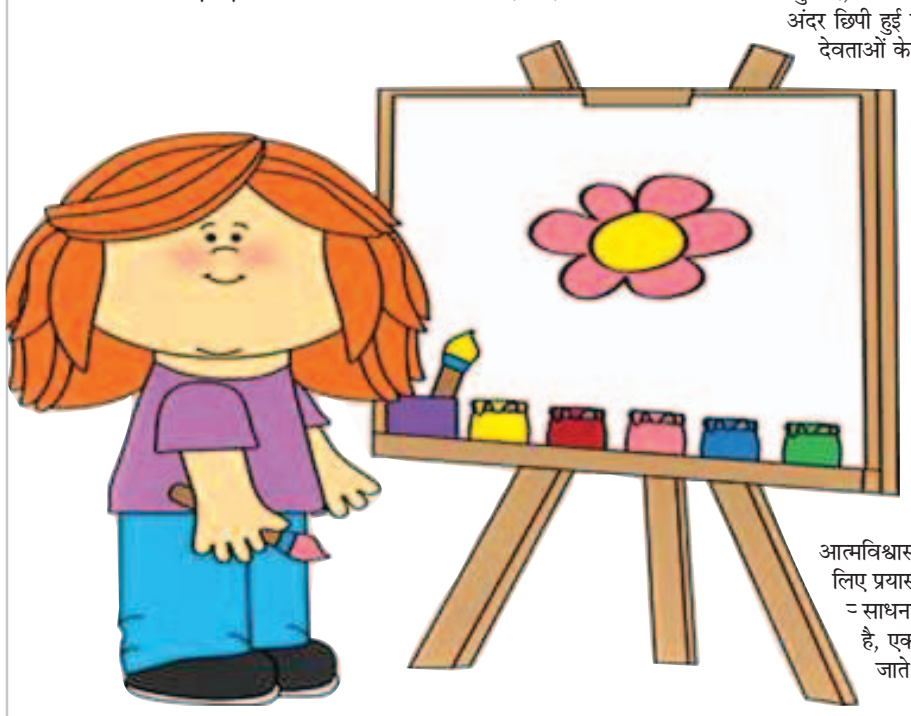

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीडऩ से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

मदद करने से मिलती है 'खुशी'

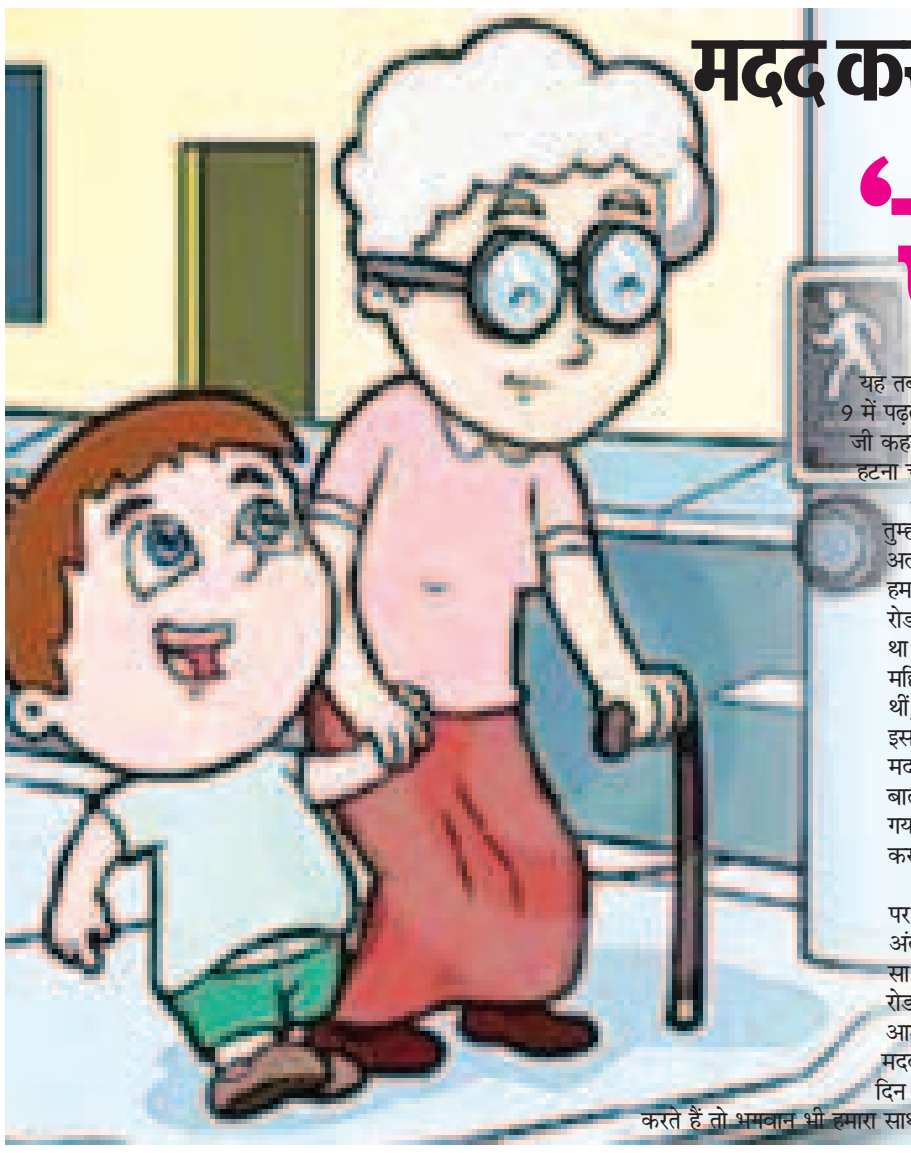

यह तब की बात है जब मैं 13 साल का था और कक्षा 9 में पढ़ता था। अब मैं 14 साल का हो गया हूं। मेरे पिता जी कहते हैं कि लोगों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।

अगर तुम किसी की मदद करना चाहते हो तो तुम्हारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाएगी और एक अलग तरह की खुशी का भी अनुभव होगा। एक बार हम सपरिवार घर के बाहर गये थे। हम लोग जी.टी. रोड के किनारे पैदल ही चल रहे थे। मैं पापा से पीछे था। तभी मैंने देखा कि सड़क के किनारे एक वृद्ध महिला खड़ी हैं। असल में वह रोड पार करना चाहती थीं, मगर सड़क पर बहुत तेज गाडिय़ा चल रही थीं, इसलिए यह संभव नहीं हो रहा था। कोई भी उनकी मदद करता नहीं दिख रहा था। तभी मुझे पापा कि बात याद आई और मैं दौड़ कर उन महिला के पास गया और कहा, आइए अम्मा मैं आप को रोड पार करा देता हूं।

उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और चलने लगीं। सड़क पर काफी तेजी से वाहन आ-जा रहे थे। लेकिन मेरे अंदर पता नहीं कैसे हिम्मत आ गयी थी। मुझे थोड़ा सा भी डर नही लग रहा था। मैंने उनको आराम से रोड पार करा दिया। उसके बाद उन्होंने मुझे खूब आशीर्वाद दिया और चली गयी। वास्तव में उस समय मदद करने के बाद मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। उस दिन मुझे यह पता चला कि जब हम किसी कि मदद करते हैं तो भगवान भी हमारा साथ देता है और हमें हिम्मत देता है।

संगीत से बढ़ती है बुद्धि

बहुत से बच्चे संगीत के शौकीन होते हैं। यदि आपका बच्चा भी संगीत का शौकीन है तो उसे रोकें-टोकें नहीं। कारण, संगीत का शौक रखने वाले बच्चे अधिक बुद्धिमान होते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि यह कहना है कनाडा के अध्ययनकर्ताओं का। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार यदि छोटे बच्चों को संगीत का प्रशिक्षण दिया जाए तो उनके सीखने की कला, याददाश्त तथा आई क्यू लेवल बढ़ता है। अध्ययनकर्ताओं ने चार से छह साल के कुछ बच्चों को दो समूह में बांटा। एक समूह में संगीत सीखने वाले बच्चों को रखा तो दूसरे में संगीत में रुचि न रखने वाले बच्चों को। एक साल बाद जब अध्ययनकर्ताओं ने इन बच्चों का आई क्यू लेवल और मेमोरी टेस्ट लिया तो परिणाम से पता चला कि संगीत सीखने वाले बच्चों की याददाश्त और आई क्यू तेज निकला, जबकि वे बच्चे जो संगीत से दूर थे सामान्य ही रहे। इसलिए यदि आप अपने बच्चे को काबिल बनाने की तमन्ना रखती हैं तो उसकी रुचि संगीत में जगाइए।

ब्रह्मोस मिसाइल पर आया इस देश का दिल भारत से खरीदने को हुआ तैयार

हनोई (एजेंसी)। भारतीय सेनाओं की जान बन चुकी ब्रह्मोस मिसाइल पर एक और देश का दिल आ गया है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारत की ओर से वियतनाम को एडवांस्ड ब्रह्मोस मिसाइल बेचने की तैयारियां की जा रही हैं। इस डील के बाद वियतनाम के साथ रक्षा संबंध डील के बाद और गहरे हो सकते हैं। 19 जून को वियतनाम के रक्षा मंत्री फान वान गियांग भारत दौरे पर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि उसी समय इस मिसाइल की डील को अंजाम दिया जा सकता है। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने और अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के एक मौके के तौर पर भी है। ब्रह्मोस मिसाइल को इसकी सुपरसोनिक स्पीड और सटीक निशाने के लिए जाना जाता है। यह मिसाइल दुनिया में सबसे एडवांस्ड एंटी-शिप और लैंड-अटैक मिसाइलों में शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि वियतनाम की तरफ से भारत को ब्रह्मोस मिसाइल की तीन से पांच यूनिट्स के लिए ऑर्डर मिल सकते हैं। हर यूनिट बैटरी के साथ वियतनाम को मिलेंगी और इसमें कई मिसाइलें भी शामिल हैं। इसकी कीमत करीब 125 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है। संभावित डील की लागत 375 मिलियन डॉलर से 625 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है। हालांकि यह इस पर निर्भर है कि आखिर वियतनाम को कितनी यूनिट्स चाहिए। वियतनाम से पहले फिलीपींस को यह मिसाइल दी गई हैं। पिछले साल भारत ने फिलीपींस को 375 मिलियन डॉलर के साथ यह मिसाइल सौंपी थी। इस मिसाइल की तीन यूनिट्स फिलीपींस को मिली थीं। वियतनाम के अलावा इंडोनेशिया ने भी ब्रह्मोस मिसाइलों को खरीदने में रूचि दिखाई है। इन देशों की मांग यह बताने के लिए काफी है कि किस तेजी से भारत और रूस के सहयोग से विकसित यह मिसाइल अपना रूतबा बढ़ाती जा रही है। इसके बाद देश जो अपनी रक्षा क्षमताओं में इजाफा करना चाहते हैं वहां ब्रह्मोस मिसाइलों की मांग कर रहे हैं। ब्रह्मोस मिसाइल की मांग यह बताने के लिए भी काफी है कि भारत का कद रक्षा उपकरणों के एक प्रमुख निर्यातक देश के तौर पर बढ़ता जा रहा है। वियतनाम को ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री से दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को गहरा करने में भी मदद मिल सकती है। यह संभावित सौदा दक्षिण पूर्व एशिया में एक मजबूत रक्षा नेटवर्क में भी योगदान कर सकता है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस ज्वॉइन्ट वेंचर की तरफ से इस मिसाइल को तैयार किया गया है। ब्रह्मोस मिसाइल एक शॉर्ट रेंज वाली रैमजेट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसे एयरक्राफ्ट जहाज और जमीन के साथ ही पनडुब्बी से भी लांच किया जा सकता है। इस मिसाइल की स्पीड 2.8 मैक यानी 3 हजार किलोमीटर से भी ज्यादा है। 300 मिलियन डॉलर की लागत से तैयार इस मिसाइल की खरीद के लिए मलेशिया ने भी हाथ बढ़ाया है। इसकी रेंज 290 किलोमीटर से 350 किलोमीटर तक है।

ब्रिटेन के सांसद पद से बोरिस जॉनसन ने दिया इस्तीफा

लंदन । ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टीगेट मामले पर संसद से बाहर कर दिया गया। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक पूर्व प्रधानमंत्री ने कॉमन्स प्रिविलेज कमेटी की एक रिपोर्ट को अग्रिम रूप से देखा कि क्या उन्होंने डाउनिंग स्ट्रीट लॉकडाउन पार्टियों पर कॉमन्स को गुमराह किया है। जॉनसन ने कहा कि वह हाउस ऑफ कॉमन्स कमेटी से एक पत्र प्राप्त करने के बाद हैरान है। उनके इस्तीफे से अब उनकी सीमांत सीट पर उपचुनाव हो रहा है। विशेषाधिकार समिति ने कहा कि जॉनसन ने हाउस ऑफ कॉमन्स की अखंडता पर सवाल उठाया है। इधर सांसद के नेतृत्व वाली समिति ने कहा कि वह सोमवार को अपनी जांच पूरी करेगी और अपनी रिपोर्ट तुरंत प्रकाशित करेगी। विशेष बात यह है कि जॉनसन ने जारी अपने इस्तीफे में, समिति को कंगारू कोर्ट के रूप में वर्णित किया और कहा, इस कोर्ट का उद्देश्य तथ्यों के बिना शुरू से ही मुझे दोषी ठहराना रहा है। जॉनसन ने इससे पहले मार्च में एक सुनवाई में समिति को सबूत देने पर संसद को गुमराह करने की बात स्वीकार की थी, लेकिन जानबूझकर ऐसा करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि कोविड लॉकडाउन के दौरान डाउनिंग स्ट्रीट में हुई पार्टियों में लॉकडाउन नियमों के उल्लंघन की बात सही नहीं है। पार्टी के दौरान सभी दिशानिर्देशों का पालन किया गया था।

सोमालिया में मोर्टार विस्फोट में 25 बच्चों की मौत

मोगादिशु । दक्षिणी सोमालिया के कोर्योली शहर के पास खेल मैदान में हुए मोर्टार विस्फोट में कम से कम 25 बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने कोर्योले शहर के उप जिला आयुक्त आब्दी अहमद अली के हवाले से बताया कि शुक्रवार को यह घटना बम और बारूदी सुरंग जैसे युद्ध के विस्फोटक अवशेषों के कारण हुई जिनसे बच्चे खुले मैदान में खेल रहे थे। हादसे के बाद बच्चों के 22 शव मिले और अस्पताल भेजे जाने के बाद दो घायलों की मौत हो गई अहमद ने कहा कि मोगादिशु के रास्ते में एक और बच्चे की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि नाबालिगों की उम्र 10 से 15 साल के बीच है।

अमेरिका का दो रूसियों पर 400 मिलियन डॉलर बिटकॉइन हैक करने का आरोप

वाशिंगटन । अमेरिकी सरकार ने 2014 में माउंट गोक्स बिटकॉइन एक्सचेंज को नुकसान पहुंचाने वाले 40 करोड़ डॉलर के बिटकॉइन हैक के संबंध में दो रूसी नागरिकों पर आरोप लगाया है। न्याय विभाग ने दोनों रूसी नागरिकों एलेक्सी बिलीचेंको और अलेक्सांद्र वर्नर के खिलाफ आरोपों की घोषणा की। बिलीचेंको और वर्नर पर माउंट गोक्स के 2011 के हैक से लगभग 647000 बिटकॉइन को सफेद करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है जिसकी कीमत तब लगभग 400 मिलियन डॉलर थी। इस घटना को एनडीसीए केस कहा जाता है। 2011 से 2017 (एनडीसीए केस) तक अवैध क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज बीटीसी-ई फार्म को संचालित करने के लिए विन्निक के साथ साजिश रचने के लिए बिलीचेंको को कैलिफोर्निया के उत्तरी जिले में अलग से आरोपित किया गया है। यूएस अटॉर्नी डेमियन विलियम्स ने कहा जैसा कि आरोप लगाया गया है बिलीचेंको और वर्नर ने सोचा था कि वे बड़े पैमाने पर क्रिप्टोक्यूरेंसी चोरी करने और लूटने के लिए परिष्कृत हैक का उपयोग करके कानून को मात दे सकते हैं। हालांकि अनसील किए गए आरोप इन कथित अपराधियों का दृढ़ता से पीछा करने की हमारी क्षमता को प्रदर्शित करते हैं चाहे उनकी योजनाएं कितनी भी जटिल क्यों न हों जब तक कि उन्हें न्याय नहीं मिल जाता। 2011 में शुरू करते हुए बिलीचेंको और वर्नर ने माउंट गोक्स से बड़ी मात्रा में क्रिप्टोकरंसी चुरा ली इससे एक्सचेंज के दिवालिया होने में योगदान दिया। माउंट गोक्स से अवैध रूप से अर्जित लाभ के साथ सशस्त्र बिलीचेंको ने कथित तौर पर कुख्यात बीटीसी-ई आभासी मुद्रा विनिमय स्थापित करने में मदद की जिसने दुनिया भर में साइबर अपराधियों के लिए धन की लूट की।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर गूगल एक्स के पूर्व चीफ बिजनेस ऑफिसर ने कही चौंकाने वाली बात

वाशिंगटन । गूगल एक्स के पूर्व चीफ बिजनेस ऑफिसर और मार्केटिंग एजेंसी फ्लाइट स्टोरी के चीफ एआई ऑफिसर मो गॉडट ने एआई को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने बच्चे नहीं किए हैं उन्होंने कुछ और समय के लिए इस टाल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई की एडवांसमेंट के कारण भविष्य में कई तरह के खतरे में हैं.

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में अर्थव्यवस्था भू-राजनीति ग्लोबल वॉर्मिंग और एआई से संबंधित अनिश्चितताएं एक साथ मिलकर कई तरह के खतरे पैदा कर रही हैं। बकौल गॉडट क्या इसतरह के उथल-पुथल वाले समाज में किसी बच्चे को लाना ठीक होगा? गौरतलब है कि गॉडट ने यह बात तब कही जब कुछ दिन पहले ही उन्हें मार्केटिंग एजेंसी फ्लाइट स्टोरी का मुख्य एआई अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि मानवता के सामने अबतक की सबसे बड़ी चुनौती है। उनका मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास का सर्वोच्च स्तर है जो भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा है कि अब स्थिति ऐसी है कि डिजिटल इंटेलिजेंस इस हद तक आगे बढ़ चुकी है कि अब वह खुद से फैसले कर रही है। बकौल गॉडट इंसान अब बस उनसे अपील कर सकते हैं पूरी तरह से नियंत्रित नहीं। उनका मानना है कि इस बदलती परिस्थिति पर इंसानों को करीब से नजर रखनी होगी। अगर लापरवाही बरती गई तेजी से बढ़ते प्रोघौगिक परिदृश्य में इंसान पीछे छूट जाएंगे।

बेलग्रेड, सर्बिया में एक ही सप्ताह में दो बड़े पैमाने पर गोलीकांड की प्रतिक्रिया में लोग हिंसा के खिलाफ सर्बिया के एक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

टोक्यो में हनेडा एयरपोर्ट पर आमने सामने टकराए दो पैसेंजर प्लेन

-400 से ज्यादा यात्रियों की जान आफत में

टोक्यो । टोक्यो के एक प्रमुख हवाई अड्डे पर दो यात्री विमान शनिवार सुबह गलती से एक-दूसरे से टकरा गए। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। थाई एयरवेज इंटरनेशनल का बैंकॉक (थाईलैंड) जा रहा विमान हनेडा हवाई अड्डे पर ताइपे (ताइवान) जा रहे ईवा एयरवेज के विमान से टकरा गया जिसके बाद अधिकारियों ने रनवे को बंद कर दिया। हालांकि दोनों विमानन कंपनियों हवाई अड्डा प्रशासन और जापान के परिवहन मंत्री की ओर से फिलहाल इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं आई है। घटना के पीछे की वजह भी फिलहाल स्पष्ट नहीं है। मीडिया में प्रकाशित खबर के अनुसार टक्कर में एक विमान के पंख को नुकसान पहुंचने की सूचना है। घटना के कारण कई विमानों ने देरी से उड़ान भरी। हनेडा हवाईअड्डे पर शनिवार सुबह दो विमान संपर्क में आ गए जिससे इसके चार रनवे में से एक अस्थायी रूप से बंद हो गया। यह घटना सुबह करीब 11 बजे टैक्सीवे पर हुई। मंत्रालय और टोक्यो दमकल विभाग के अनुसार इसमें शामिल दो विमान थाई एयरवेज और ईवा एयरवेज द्वारा संचालित किए गए थे। ईवा एयरलाइंस के एक यात्री ने कहा थाई एयरवेज के विमान के पंख का हिस्सा टूट गया था। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार लगभग 260 यात्री और चालक दल के सदस्य थाई एयरवेज के विमान में थे जबकि लगभग 200 ईवा एयरवेज के विमान में सवार थे।

पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा द्विपक्षीय संबंधों के लिए नए मानदंड स्थापित करेगी

-अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने कहा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जून 2023 में होने वाली अमेरिका यात्रा द्विपक्षीय संबंधों के लिए नए मानदंड स्थापित करेगी और इस दौरान, रक्षा औद्योगिक सहयोग पर बड़ी घोषणाएं होने और भारत के स्वदेशी सैन्य बेड़े में इजाफा होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर इस महीने अमेरिकी की राजकीय यात्रा करने वाले हैं। उनकी चार दिवसीय यात्रा 21 जून से शुरू होगी। बाइडन दंपति 22 जून को राजकीय भोज पर पीएम मोदी की मेजबानी करने वाले हैं। हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के सहायक रक्षा सचिव एली रैटनर ने कहा, ''जब प्रधानमंत्री मोदी इस महीने के आखिर में राजकीय यात्रा के लिए वाशिंगटन आएंगे, तब मुझे लगता है कि यह दोनों देशों के संबंधों में नए मानदंड स्थापित करने वाली

ऐतिहासिक यात्रा साबित होगी।''

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस (यात्रा को) उसी तरह से देखा जाएगा, जैसे इस साल की शुरुआत में जापान के साथ 'टू प्लस टू' वार्ता को रिश्ते में एक महत्वपूर्ण पल के रूप में देखा गया। लोग प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को अमेरिका-भारत संबंधों में एक वास्तविक छलांग के रूप में देखने वाले हैं। रैटनर ने कहा कि अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कई द्विपक्षीय मुद्दों को आगे बढ़ाने और विशेष समझौतों एवं योजनाओं को अंतिम रूप देने के वास्ते प्रधानमंत्री की वाशिंगटन यात्रा की जमीन तैयार करने के लिए हाल में भारत का दौरा किया था। उन्होंने कहा, रक्षा से संबंधित मामलों में अमेरिका और भारत के बीच सह-विकास और सह-उत्पादन के मुद्दे को लेकर स्पष्ट रणनीतिक योजनाएं कायम करना इस यात्रा की प्राथमिकता होगी।

भारत के स्वदेशी रक्षा औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ सैन्य आधुनिकीकरण को गति देना प्रधानमंत्री मोदी के लिए प्राथमिकता रही है।'' अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन और उनके भारतीय समकक्ष अजित डोभाल ने इस साल जनवरी में उभरती हुई प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की थी, जिसका मकसद अमेरिका और भारत के बीच प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देना है और रक्षा क्षेत्र इस पहल का एक बहुत मजबूत घटक है, जिस पर दोनों देश आगे बढ़ना चाहते हैं।

यूक्रेन में कखोवका बांध के टूटने से मानवीय स्थिति पहले की तुलना में बेहद गंभीर: मार्टिन ग्रिफिथ्स

जिनेवा (एजेंसी)। यूक्रेन में कखोवका बांध के टूटने के बाद मानवीय स्थिति पहले की तुलना में बेहद गंभीर हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात शुक्रवार को आगाह करते हुए कही। अवर महासचिव मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा कि करीब 7 लाख लोगों को पीने के पानी की जरूरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि विश्व के बेहद महत्वपूर्ण अनाज उत्पादक देश यूक्रेन में बाढ़ से अनाज निर्यात में कमी आएगी, दुनियाभर में खाद्यान्न की कीमतें बढ़ेंगी और लाखों जरूरतमंदों को भोजन नहीं मिलेगा। सच्चाई यह भी है कि यह इस घटनाक्रम के दुष्परिणामों की शुरुआत भर है। पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है। मंगलवार को कखोवका पनबिजली बांध के टूटने और उसका पानी नीपर नदी में बहने के कारण पिछले एक साल से लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे इस देश की मुसीबतें और बढ़ गईं। रूस ने दक्षिणी यूक्रेन में ताजा पानी की आपूर्ति और सिंचाई के लिए बेहद अहम माने जाने वाले इस

बांध पर पिछले साल सितंबर में कब्जा कर लिया था।

अधिकारियों का कहना है कि कखोवका बांध टूटने और उसका पानी नीपर नदी में बहने से तट पर स्थित दर्जनों शहर, कस्बे और गांव जलमग्न हो गए हैं तथा वहां से 6 हजार से अधिक लोगों को निकालकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। यूक्रेन और मॉस्को के अधिकारियों के मुताबिक बाढ़ में करीब 20 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। ग्रिफिथ्स ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने यूक्रेन के नियंत्रण वाले बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 30 हजार से अधिक लोगों को मानवीय सहायता पहुंचाई है। उन्होंने हालांकि कहा कि रूस ने संयुक्त राष्ट्र को अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में बाढ़ पीड़ितों की मदद की अनुमति नहीं दी है।

पहली बार शाही परिवार का सदस्य अदालत में देगा गवाही

लंदन । प्रिंस हैरी ब्रिटिश शाही परिवार के ऐसे पहले वरिष्ठ सदस्य होंगे जो अदालत में जाकर गवाही देंगे। एक अखबार समूह पर प्रिंस हैरी ने गैरकानूनी व्यवहार का आरोप लगाया है। मामले की सुनवाई के लिए वह अगले हफ्ते गवाही देंगे। किंग चार्ल्स के छोटे बेटे हैरी, लंदन के उच्च न्यायालय में इस मामले की सुनवाई के लिए 100 से ज्यादा अन्य हस्तियों के साथ गवाही देंगे। हैरी का कहना है कि उनके परिवार और उनके सहयोगियों ने अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए उनके बारे में नकारात्मक कहानियों को लीक किया था। इस बारे में महल से कोई बयान नहीं आया है। यह मामला डेली मिरर, संडे मिरर और संडे पीपुल के प्रकाशक मिरर ग्रुप न्यूजपेपर में एक तलाक के मामले में गवाही दी थी और उसके 20 साल बाद कार्ड गेम पर बदनामी को लेकर चल रहे एक मुकदमे में गवाह बने थे। उन्होंने भी अपनी गवाही राजा बनने से पहले दी थी। हैरी जो सिंहासन के हकदारों में पांचवें नंबर पर हैं, पिछले 6 महीनों से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर लगे आरोपों को किया सार्वजनिक, चुनाव पर होगा असर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर लगाए गए अभियोगों को सार्वजनिक कर दिया गया है। इससे आने वाले दिनों में चुनाव पर असर पड़ सकता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोनाल्ड ट्रम्प पर कुल 37 अपराधों के लिए अभियोग लगाया गया है। जिनमें एक पेंटागन की एक 'हमले की योजना' का ब्योरा और एक सैन्य अभियान से जुड़े एक गोपनीय मैप को शेयर करने का भी आरोप शामिल है। शुक्रवार को सामने आए ट्रम्प के अभियोगों की लिस्ट अमेरिका में 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव को एक नया रंग दे सकती है। इससे पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति जो के बेटे हंटर बाइडन की करीब 9000 अश्लील तस्वीरें एक दक्षिणपंथी समूह ने सार्वजनिक कर दी थी। ट्रम्प पर लगाए गए अभियोग के मुताबिक उन्होंने संवेदनशील जानकारियों को गलत तरीके से अपने कब्जे में रखा। उन पर न्याय विभाग की अवहेलना करने का भी आरोप लगाया गया है। जिसने उन गोपनीय दस्तावेजों को वापस करने की मांग की थी। इसके बावजूद ट्रम्प उनको व्हाइट हाउस से अपने आवास मार-ए-लागो में ले गए थे। इन गोपनीय रिकॉर्ड्स को छिपाने की अपनी कोशिशों में ट्रम्प ने अपने सहायकों को भी शामिल किया था। यहां तक कि ट्रम्प ने अपने वकीलों को बताया था कि हम अपने आवास में रखी गई गोपनीय सामग्री को वापस लौटाने के लिए भेजे गए एक सम्मन की अवहेलना करना चाहते हैं। ट्रम्प के वकीलों में से एक ने पूर्व राष्ट्रपति के बारे में कहा कि उन्होंने कहा कि 'मैं नहीं चाहता कि कोई मेरे बक्सों को देखे।' उन्होंने यह भी पूछा कि क्या यह बेहतर होगा कि 'अगर हम उन्हें बताएं कि हमारे पास यहां कुछ भी नहीं है।'

चीन के राष्ट्रपति ने सैनिकों से सीमाओं की रक्षा करते हुए 'फौलादी ताकत' बनने को कहा

मियामी (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सीमा पर तैनात अपने सैनिकों से आह्वान किया है कि वे सीमा रक्षा और नियंत्रण में अपनी क्षमताओं को बढ़ाकर देश की सरहदों पर ''फौलादी ताकत'' बनाएं। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की शीर्ष कमान केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के प्रमुख शी (69) ने बुधवार को आंतरिक मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में सीमा प्रबंधन और नियंत्रण का जायजा लेने के लिए दौरा किया। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने शुक्रवार को बताया कि चीनी राष्ट्रपति ने सैनिकों से सीमा रक्षा में नयी मिसाल कायम करने को कहा। उन्होंने सीमा पर तैनात चीनी सैनिकों से देश की सीमाओं पर ''फौलादी ताकत'' बनने के लिए सीमा रक्षा और नियंत्रण में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने का आह्वान किया है।

अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत, 2012 में सत्ता में आए शी ने तिब्बत सहित विभिन्न सीमावर्ती क्षेत्रों में नियमित रूप से यात्रा कर सैनिकों से संवाद किया है। वर्ष 2021 में, तिब्बत की अपनी पहली यात्रा के दौरान उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के निकट रणनीतिक

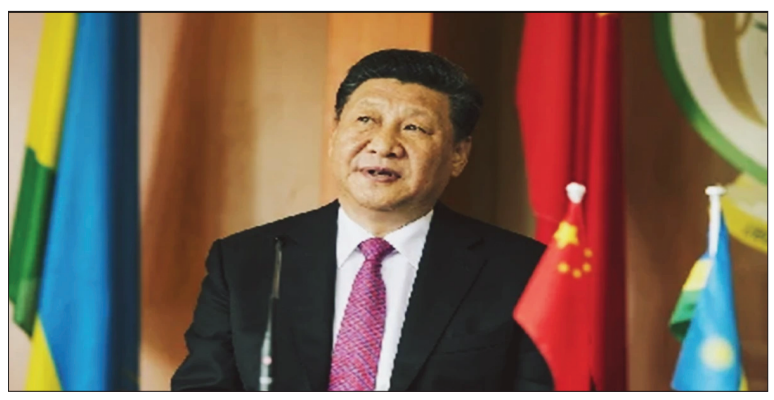

रूप से स्थित सीमावर्ती शहर न्यिंगची की एक दुर्लभ यात्रा की। पीएलए के आंतरिक मंगोलिया सैन्य कमान का दौरा करते हुए शी ने सीमा सैनिकों के बीच एकजुटता सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। सीपीसी और सरकारी विभागों, सैन्य, कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ-साथ सीमा रक्षा में आम लोगों के बीच सहयोग को रेखांकित करते हुए, शी ने देश की सरहद की रक्षा में सभी पक्षों से संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया। शी ने देश की उत्तरी सीमा पर सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने में क्षेत्र के सीमा सैनिकों की भूमिका की सराहना की। वर्ष 2012 में सत्ता में आने के बाद से सीमा रक्षा कार्यों में चीन की प्रगति की प्रशंसा करते हुए, शी ने कहा कि देश की सीमा पर तैनात सैनिकों ने सैन्य प्रशिक्षण और युद्ध की तैयारियों को बढ़ाया है और सीमा सुरक्षा और सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता की पूरी तरह से हिफाजत की है। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने प्रभावी ढंग से चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हित की रक्षा की है।

कोलंबिया में विमान हादसे के बाद लापता चार बच्चे 40 दिन बाद अमेजन के जंगलों में मिले

वॉशिंगटन (एजेंसी)। बोगोटा। कोलंबिया में 40 दिन पहले एक विमान हादसे के बाद लापता हुए चार बच्चे अमेजन के जंगलों में सुरक्षित मिले हैं। राष्ट्रपति गस्तावो पेट्रो ने शनिवार को यह जानकारी दी। क्यूबा से बोगोटा लौटने के बाद संवाददाताओं से मुखातिब पेट्रो ने कहा कि लापता बच्चों की खोज के लिए बड़े पैमाने पर चलाया जा रहा तलाश अभियान अब समाप्त हो गया है। उन्होंने बताया कि बचावकर्ता 40 दिन की कड़ी मशक्कत के बाद बच्चों को ढूंढ़ने में कामयाब रहे हैं और ये बच्चे अब चिकित्सकीय निगरानी में हैं।

पेट्रो विद्रोही गुट नेशनल लिबरेशन आर्मी के प्रतिनिधियों के साथ संघर्षविराम समझौते पर दस्तखत करने के लिए क्यूबा गए थे। उन्होंने कहा कि इन बच्चों का ''इतनी विषम परिस्थितियों में भी 40 दिन तक जीवित रहना किसी चमत्कार से कम नहीं है'' और इनकी कहानी ''इतिहास के पन्नों में दर्ज होगी।'' हालांकि, ये बच्चे अपने दम पर इतने दिन तक कैसे जीवित रहे, इस बारे में पेट्रो ने कोई विवरण साझा नहीं किया। चारों बच्चे सेसना के उस एकल इंजन वाले विमान में सवार छह यात्रियों में शामिल थे, जो एक मई को इंजन में खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे के बाद विमान का राडार से संपर्क टूट गया था और सरकार ने यात्रियों को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया था। तलाश अभियान के दौरान बचावकर्ताओं को 16 मई को अमेजन के घने जंगलों में विमान का मलबा मिला था। मलबे से विमान के पायलट और दो वयस्क यात्रियों के शव भी बरामद हुए थे, लेकिन इसमें सवार चारों बच्चों का पता नहीं लगाया जा सका था।

इसके बाद, कोलंबिया की सेना ने चार, नौ, 11 और 13 साल के इन बच्चों की तलाश के लिए अपने 150 जवानों को खोजी कुत्तों के साथ जंगल में भेजा। जनजातीय समुदायों के दर्जनों सदस्यों ने भी तलाश अभियान में सहयोग दिया। शुक्रवार को सेना ने ट्विटर पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें कंबल में लिपटे ये बच्चे सैनिकों और जनजातीय स्वयंसेवकों के साथ नजर आते हैं। एक तस्वीर में एक सैनिक इनमें से सबसे छोटे बच्चे को बोतल से दूध पिलाता दिखाई देता है। बाद में, वायुसेना ने एक वीडियो ट्वीट किया, जिसमें सैनिक बच्चों को हेलीकॉप्टर में चढ़ाते नजर आ रहे हैं। इसने लिखा कि हेलीकॉप्टर बच्चों को लेकर सैन जोस डेल ग्वावियार रवाना हुआ। तलाश अभियान के दौरान सेना जंगल में अलग-

अलग जगहों पर इस उम्मीद में खाने के पैकेट गिराती थी कि इन बच्चों को पेट भरने और जीवित रहने में मदद मिल सकेगी।

यही नहीं, सैनिक चारों बच्चों की दादी द्वारा रिकॉर्ड किया गया संदेश बजाते थे, जिसमें वह उनसे एक साथ रहने और हिम्मत न हारने के लिए कहती थी। तलाश अभियान के दौरान बचावकर्ताओं को जंगल में छोटे-छोटे सुराग, मसलन बच्चों के कदमों के निशान, दूध की एक बोतल, डायपर और फलों के टुकड़े मिले, जिससे उन्हें यकीन हुआ कि बच्चे अभी भी जिंदा हैं। पेट्रो ने कहा, ''उन्हें (बच्चों को) जंगल ने बचाया। वे जंगल के बच्चे हैं और अब वे पूरे कोलंबिया के भी बच्चे हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रियंका की तस्वीर छपी टीशर्ट पहने बुजुर्ग ने स्मृति को बताई समस्या

अमेठी । केंद्रीय मंत्री व अमेठी सांसद स्मृति ईरानी को संसदीय क्षेत्र में एक बुजुर्ग ने अपनी समस्या बताई। इस दौरान उसने प्रियंका गांधी की तस्वीर छपी टीशर्ट पहनी थी। गौरतलब है कि स्मृति ईरानी इन दिनों अमेठी संसदीय क्षेत्र के दौरे पर हैं। स्मृति ईरानी गांव-गांव चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुन रही हैं। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने के मद्देनजर जनता तक उपलब्धियां पहुंचाने के दौरान प्रियंका गांधी की तस्वीर छपी टीशर्ट पहने हुए एक शख्स से मुलाकात की और राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से तंज कसा। दरअसल, समस्या सुनने के दौरान एक बुजुर्ग भी अपनी समस्या को लेकर उनके सामने पहुंचा। बुजुर्ग ने जो टी-शर्ट पहनी थी उस पर प्रियंका गांधी की फोटो छपी हुई थी। केंद्रीय मंत्री ने प्रियंका गांधी की तस्वीर छपी टी-शर्ट पहने बुजुर्ग की तस्वीर को अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर की है और लिखा है- ये है मोहब्बत ज्जब काम उनसे ना बने और हम तक पहुँचे क्योंकि वे भी जानते हैं कि हमने की है। जय यह तस्वीर शेयर हुई तो स्मृति ईरानी के ट्वीट पर कई यूजर्स उन्हें ट्रोल भी करते हुए नजर आ रहे हैं, जिसके जवाब में केंद्रीय मंत्री ने फिर से तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, हम दोनों साथ हंस रहे थे, आपने बिना तथ्य जाने आरोप लगाया, इसीलिए उनका चित्र साझा कर रही हूं। उन्हें भी एहसास है कौन जमीन पर काम करता है। एक और यूजर का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री ने लिखा, हम दोनों हंस रहे थे भाईसाहब। क्या कहा गया खानदान के बारे में, अगर मैंने बोल दिया तो कुछ लोग मुंह नहीं छुपा पाएंगे।

पाकिस्तानी विमान के आकार का गुब्बारा मिलने से डरे लोग

कठुआ । जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पाकिस्तानी विमान के आकार का गुब्बारा मिलने से लोग डरे हुए हैं। हालांकि सेना द्वारा इस घटना के बाद इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में शनिवार को विमान के आकार का एक गुब्बारा मिला, जिस पर पीआईए (पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस) का लोगो लिखा हुआ था। काले और सफेद रंग का रहस्यमयी गुब्बारा कठुआ जिले के हीरानगर में जमीन पर पड़ा मिला। सुरक्षाबलों ने गुब्बारे को जब्त कर लिया और इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। सेना के प्रवक्ता का कहना है ?कि गुब्बारा कहां से आया। इस साल फरवरी में शिमला के एक सेब के बगीचे में हवाई जहाज के आकार का एक हरे और सफेद रंग का गुब्बारा देखा गया था, जिस पर पीआईए का लोगो बना हुआ था। यहां गौरतलब है कि 20 मई को, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने कहा कि उन्होंने अमृतसर में एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया और संदिग्ध नशीले पदार्थों से भरा एक बैग जब्त किया। इसी तरह पिछले दिन, बीएसएफ ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर चार पाकिस्तानी ड्रोनों को रोका और उनमें से तीन को मार गिराया।

अब कनाडा से 700 भारतीय छात्रों की नहीं होगी घर वापसी

नई दिल्ली । कनाडा में पढ़नेवाले भारतीय छात्रों का डिपोर्टेशन यानी निर्वासन या जबरन घर वापसी पर रोक लग गई है। इस तरह से निर्वासन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे भारतीय छात्रों को बड़ी राहत मिली है। खबर है कि लवप्रीत सिंह नाम के छात्र के खिलाफ शुरू हुई कार्यवाही को अगले आदेश तक रोक दिया गया है। दरअसल, कनेडियन बॉर्डर सर्विस एजेंसी ने सिंह को 13 जून तक कनाडा छोड़ने के आदेश दिए थे, जिसके बाद टोरंटो में छात्रों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया था। आम आदमी पार्टी सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने शुक्रवार को कहा कि कनाडा सरकार ने 700 भारतीय छात्रों के डिपोर्टेशन को फिलहाल रोकने का फैसला किया है। साहनी ने बताया कि उनके अनुरोध और भारतीय उच्चायोग के दखल के बाद सरकार ने यह फैसला लिया है। जाली दस्तावेजों के चलते करीब 700 छात्रों पर डिपोर्टेशन का खतरा मंडरा रहा था। साहनी ने कहा, हमने उन्हें पत्र लिखा और समझाया कि इन छात्रों ने कोई भी धोखाधड़ी नहीं की है। ये धोखेबाजी का शिकार हुए हैं, क्योंकि कुछ अनाधिकृत एजेंट्स ने इन्हें फर्जी एडमिशन लेटर और भुगतान की रसीदें दे दी हैं। बगैर जांच किए वीजा आवेदन किए गए। जब बच्चे वहां पर पहुंचे, तो इमिग्रेशन ने भी उन्हें आने दिया। अधिकारियों ने छात्र लवप्रीत के मामले में पाया था कि जिन दस्तावेजों के आधार पर वह कनाडा में आया था, वह नकली थे। खास बात है कि इन करीब 700 छात्रों में से अधिकांश पंजाब से हैं। इन सभी के साथ जालंधर के बृजेश मिश्रा ने धोखाधड़ी की है। मिश्रा ने इन्हें बड़े कॉलेज और यूनिवर्सिटी के फर्जी पत्रों के नाम पर कनाडा भेज दिया। अब खास बात है कि दूतावास के अधिकारी भी जाली दस्तावेजों को नहीं पहचान पाए और उन्हें यूनिवर्सिटी का रास्ता दिखा दिया। अब जब छात्र अपने संस्थान पहुंचे, तो पता चला कि वह वहां पर रजिस्टर्ड ही नहीं हैं। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि मिश्रा ने उनके सामने बहाने बनाए और यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए मना लिया। साल 2016 में कनाडा पहुंचे छात्रों ने जब नागरिकता के लिए आवेदन किया, तो उन्हें जाली दस्तावेजों की जानकारी लगी। मामला बढ़ते ही सीबीएसए ने जांच की और बृजेश मिश्रा की कंपनी पर कार्रवाई की।

भारत फांस और यूएई के बीच पहला त्रिपक्षीय समुद्री साझेदारी अभ्यास

नई दिल्ली । भारत फांस और यूएई के त्रिपक्षीय सहयोग से तीनों नौसेनाओं के बीच पहला त्रिपक्षीय समुद्री साझेदारी अभ्यास किया गया है। अभ्यास के पहले संस्करण के दौरान समुद्र में संचालन की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे सामरिक फायरिंग और मिसाइल अभ्यास क्लोज क्वार्टर अभ्यास फ्रेंच राफेल के साथ उन्नत वायु रक्षा अभ्यास और यूएई डैश 8 एमपीए हेलीकाप्टर क्रॉस-लैंडिंग संचालन समुद्र भाग लेने वाली इकाइयों द्वारा पुनर्पूर्ति अभ्यास आयोजित होगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस त्रिपक्षीय अभ्यास को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। भारत फांस और यूएई ने इसके साथ ही इतिहास में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल किया है। इस अभ्यास में कर्मियों का क्रॉस-इम्बार्केशन भी देखा गया जिससे सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की सुविधा मिली। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अभ्यास ने नौसेनाओं के बीच समुद्री संबंधों को और मजबूत किया है और समुद्री वातावरण में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों को दूर करने के लिए आपसी-क्षमता को बढ़ाया है। इससे इस क्षेत्र में व्यापार की सुरक्षा और खुले समुद्र में नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित हुई है। वहीं दूसरी ओर ग्रुप कैप्टन कपिल शर्मा ने फरीदाबाद वायुसेना स्टेशन पर आयोजित समारोह में ग्रुप कैप्टन के.एस. गणेश से फरीदाबाद वायुसेना स्टेशन की कमान संभाली है। वायु सेना के मुताबिक ग्रुप कैप्टन शर्मा को दिसंबर 1997 में भारतीय वायु सेना की परिचालन शाखा में कमीशन प्रदान किया गया। उन्होंने अपनी सेवा के दौरान परिचालन शाखाओं और बेस रिपेयर डिपो में विभिन्न सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने रणनीतिक प्रबंधन एवं रक्षा अधिग्रहण प्रबंधन पाठ्यक्रम भी किया है। वह कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट सिकंदराबाद में उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम में भी शामिल हुए हैं। उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ और वायुसेना प्रमुख ने उनकी सराहना की है।

दाढ़ी बढ़ाकर लादेन बने हुए हैं राहुल, गजनी की तरह भूलने लगे नीतीश, बिहार बीजेपी अध्यक्ष का हमला

अररिया । बिहार के बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। दरअसल, उन्होंने अररिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी की तुलना आतंकी ओसामा बिन लादेन से कर डाली। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी आजकल दाढ़ी बनाकर ओसामा बिन लादेन बने हुए हैं और नरेंद्र मोदी की तरह देश का प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। बिहार बीजेपी अध्यक्ष यहीं नहीं रुके। उन्होंने राहुल गांधी को बच्चा बता डाला। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा कि हम लोग राहुल गांधी को 50 साल का बच्चा ही मानते हैं, जो आदमी 50 साल का हो और उन्हें राजनीतिक बुद्धि नहीं हो तो उससे बच्चे से ज्यादा क्या कहा जा सकता है। इस दौरान सम्राट चौधरी ने लव जिहाद का मुद्दा भी उठाया। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में बीजेपी की सरकार बनने पर लव जिहादियों की शिनाख्त कर उन्हें जेल भेजा जाएगा। बीजेपी सरकार में गौहत्या करने वाले को भी जेल जाना पड़ेगा, जब बीजेपी की सरकार बनेगी तो एक-एक बांग्लादेशी घुसपैठियों को शिनाख्त कर उसको बिहार और भारत से बाहर निकाला जाएगा। हिन्दुस्तान में रहकर पाकिस्तान का गुणगान करने वालों को भी बख्शा नहीं जाएगा। हिंदुस्तान में जिसको रहना है, उसको हिंदुस्तान के साथ चलना होगा। नीतीश कुमार की विपक्षी एकता पर भी बिहार बीजेपी अध्यक्ष ने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष में पीएम का उम्मीदवार कौन होगा, यह तय नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उनका हाल गजनी फिल्म के आमिर खान के किरदार जैसी हो गई है।

केवल मंदिर-मस्जिद जाना ही धर्म नहीं, ज्ञान के साथ संस्कार भी होने चाहिए

-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रोहतास में विवि के दीक्षांत समारोह में किया संबोधित

सासाराम (एजेंसी)। केवल मंदिर-मस्जिद जाना ही धर्म नहीं हैं, मनुष्य के जीवन में ज्ञान के साथ संस्कार भी होने चाहिए। यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिहार के रोहतास जिले के सासाराम में जमुहार स्थित गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कही। शनिवार को आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने राम-रावण का उदाहरण देते हुए अपनी बात रखी। मुख्य अतिथि के तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि समाज के शिक्षित और स्वरोजगार वाले वर्ग को साथ लेकर इस विश्वविद्यालय की स्थापना गोपाल नारायण सिंह द्वारा की गई है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति यह विश्वविद्यालय समर्पित है। उन्होंने कहा कि ज्ञान के साथ संस्कार भी चाहिए। रावण राम से धनवान व ज्ञानी थे। आज रावण की पूजा नहीं होती, बल्कि संस्कारी राम की पूजा होती है। सिंह ने कहा कि अहंकार से घातक कुछ भी नहीं है। अहंकार रहित जीवन जीने की कोशिश की जाए तो इसका फल सर्वोत्तम होगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद धर्म सभा में अमेरिका गए थे। किसी विदेशी ने उनको देखा और उन पर मुस्कराया। स्वामी विवेकानंद के वस्त्र पर वह हंसा। जब स्वामी जी बोलने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने कहा कि आपके यहां दिखावा है। मेरे यहां संस्कार हैं। यह मत भूलना आज जो भी तुम हो वह अपने माता-पिता व गुरु की बदौलत हो। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि मिलकर चलने का जो परिणाम होगा, उससे कुछ अतिरिक्त अपने जीवन में अलग दिखेगा। दो लोग मिलकर काम करते हैं तो जो एनर्जी पैदा होती है, वह एक्स्ट्रा एनर्जी है। इसलिए सबको साथ लेकर चलें। छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। अटल जी की यह उक्ति आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि छोटे मन के व्यक्ति को परमानंद की अनुभूति नहीं होती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि जितना मन को बड़ा रखोगे, उतना ही सुख व आनंद मिलेगा। हमारा देश सेक्युलर है, मैं भी मानता हूं। मंदिर और मस्जिद जाना धर्म नहीं है। इस ब्रह्मांड में जड़ व चेतन के अस्तित्व की सुरक्षा परिपालन की गारंटी व विकास व संवर्धन को हम धर्म कहते हैं। दुनिया भर में सर्प को दूध नहीं मिलता, परंतु हम नाग पंचमी के दिन सर्प को दूध पिलाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सात-आठ साल पहले स्टार्टअप की संख्या 500 के करीब थी, जो कि आज 95 हजार तक पहुंच गई है। जो नई-नई तकनीकी दे रहे हैं। इनमें 100 यूनिकॉर्न कंपनियां भी शामिल हैं। इनमें देश को और भी नई ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता है। इसके साथ ही आठ वर्ष में उनकी पूंजी बढ़ी है। हर चीज का उपयोग करें। देश का अमृत काल समाप्त होते ही भारत विकसित देश के रूप में खड़ा होगा।

गुजरात और महाराष्ट्र में बड़ी रैली को संबोधित करेंगे गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह नरेन्द्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर गुजरात के पाटन जिले में एक रैली को संबोधित करने जा रहे हैं। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। शाह अपने गृह राज्य गुजरात के बाद पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के नांदेड़ में भी इसी तरह के समारोह में शिरकत करेंगे। इसके बाद 11 जून को शाह तमिलनाडु के वेल्लोर में जनसभा करेंगे और उसके बाद आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में जनसभा करेंगे। आंध्र की सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस अब तक प्रमुख मुद्दों पर केंद्र सरकार का काफी हद तक समर्थन करती रही है। इस बीच, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा भी 10 जून को राज्य के तिरुपति में एक जनसभा को संबोधित किया। इससे पहले वे तिरुपति बालाजी मंदिर गए और वहां पूजा भी किया। जनसंपर्क अभियान के तहत केंद्रीय मंत्री, सांसद और भाजपा नेता देश भर में जनसभाएं और बुद्धिजीवियों से मुलाकात सहित कार्यक्रम कर रहे हैं। पीएम मोदी के सबका, साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के विजन के तहत मोदी सरकार द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए किए गए कार्यों से भाजपा लोगों को अवगत करा रही है। गौरतलब है कि नरेंद्र मोदी ने पहले कार्यकाल में 26 मई 2014 को और दूसरे कार्यकाल में 30 मई 2019 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। भगवा पार्टी सरकार की वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए 30 मई से 30 जून के बीच एक महीने का सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित कर रही है। भाजपा की गुजरात इकाई ने केंद्र में मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है। इसके तहत कई केंद्रीय मंत्रियों ने राज्य का दौरा किया है। पार्टी के एक अन्य नेता ने कहा कि महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर में शाह की रैली शाम करीब साढ़े पांच बजे होनी है।

'कहाँ थे अरविन्द केजरीवाल जब धारा 370 हटाई गई थी?'

उमर अब्दुल्ला का दिल्ली के सीएम पर तीखा हमला

-लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारियों पर होगा विचार-मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ शनिवार को अरविंद केजरीवाल कई विपक्षी दलों से मुलाकात कर रहे हैं। वह दिल्ली में अध्यादेश के लेकर समर्थन चाहते हैं। इसी विषय पर बात करने के लिए वह जम्मू कश्मीर भी पहुंचे थे। अरविंद केजरीवाल तो समर्थन मांगने गये थे लेकिन उमर अब्दुल्ला ने उन्हें ही आड़े हाथ ले लिया। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा धारा 370 को निरस्त करने पर दिल्ली के सीएम के रुख पर सवाल उठाए गये। उन्होने सड़क पर आकर मीडिया से बात की। अरविंद केजरीवाल कई विपक्षियों से मिल रहे हैं। केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटाने की आप की कोशिशों के बीच उमर अब्दुल्ला केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा।

उमर अब्दुल्ला ने सुनाई केजरीवाल को खरी खरी

उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'अरविंद केजरीवाल तब कहां थे जब अनुच्छेद 370 को खत्म किया गया था? लोकतंत्र की हत्या की जा रही थी। उन्होंने उस समय सरकार का समर्थन किया था और आज वह

अन्य दलों से समर्थन मांग रहे हैं।' उन्होंने कहा कि धारा 370 हटाए जाने के खिलाफ केवल कुछ ही पार्टियों ने आवाज उठाई थी। केवल ममता बनर्जी की पार्टी और डीएमके ने उनका समर्थन किया था। केजरीवाल नहीं आये थे हमारा साथ देने के लिए।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल इस अध्यादेश के खिलाफ समर्थन हासिल करने के लिए गैर-बीजेपी दलों के नेताओं के पास पहुंच रहे हैं ताकि संसद में लाए जाने वाले विधेयक के जरिए इसे बदलने की केंद्र की कोशिश विफल हो जाए. अब तक केजरीवाल उद्धव ठाकरे, शरद पवार, अखिलेश यादव, हेमंत सोरेन, एमके स्टालिन, सीताराम येचुरी, के चंद्रशेखर राव, ममता बनर्जी और नीतीश कुमार से मुलाकात कर चुके हैं।

अध्यादेश विवाद क्या है?

केंद्र ने 19 मई को दिल्ली में ग्रुप-ए के अधिकारियों के तबादले और पोस्टिंग के लिए एक प्राधिकरण बनाने के लिए अध्यादेश जारी किया था, जिसे आप सरकार ने सेवाओं के नियंत्रण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ धोखा बताया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि को छोड़कर दिल्ली में सेवाओं का नियंत्रण निर्वाचित सरकार को सौंपे जाने के एक सप्ताह बाद यह अध्यादेश आया। यह DANICS कैडर के ग्रुप-ए अधिकारियों के स्थानांतरण और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए एक राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण स्थापित करना चाहता है। शीर्ष अदालत के 11 मई के फैसले से पहले दिल्ली सरकार के सभी अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग लेफ्टिनेंट गवर्नर के कार्यकारी नियंत्रण में थे।

कश्मीर विवादित क्यों है?

कश्मीर एक हिमालयी क्षेत्र है जिसे भारत और पाकिस्तान दोनों कहते हैं कि यह पूरी तरह से उनका है। यह क्षेत्र कभी जम्मू और कश्मीर नामक एक रियासत था, लेकिन ब्रिटिश शासन के अंत में उपमहाद्वीप के विभाजन के तुरंत बाद 1947 में यह भारत में शामिल हो गया। भारतीय शासन के खिलाफ एक अलगाववादी विद्रोह के कारण 30 वर्षों से भारतीय प्रशासित पक्ष - जम्मू और कश्मीर राज्य में हिंसा हुई है।

खड़गे की आलोचना करने वाले चार भाजपा सांसदों पर पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेन हादसे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे अपने पत्र में रेलवे की आलोचना करने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की आलोचना करने वाले चार भाजपा सांसदों के जवाब में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने भगवा पार्टी पर किसी भी आलोचना के प्रति असहिष्णुता के लिए निशाना साधा। चिदंबरम ने कहा खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। उन्हें प्रधानमंत्री को पत्र लिखने का अधिकार है। एक कार्यशील लोकतंत्र में लोग प्रधानमंत्री से पत्र के उत्तर की अपेक्षा करते हैं। लेकिन हमारा लोकतंत्र ऐसा है कि प्रधानमंत्री इस जवाब देने के लायक नहीं समझते हैं।

इसके बजाय बीजेपी के चार सांसद खुद जवाब भेजने की जिम्मेदारी लेते हैं जो तथ्यों पर सतही और तर्कों पर खोखला होता है। दिसंबर 2022 में प्रस्तुत दो कैग रिपोर्ट खड़गे की तर्कपूर्ण आलोचना को पूरी तरह से सही साबित करती हैं। दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक का 9 फरवरी 2023 का पत्र एक पूर्व चेतावनी था कि बालासोर जैसी त्रासदी होने की संभावना है। मुझे कोई संदेह नहीं है कि पत्र दक्षिण पश्चिम रेलवे की किसी फाइल में अनुपचारित पड़ा था और धूल खा रहा था। क्या भाजपा सांसद बताएंगे कि पत्र पर क्या कार्रवाई हुई? तेजस्वी सूर्य सहित चार भाजपा सांसदों ने पीएम मोदी को खड़गे के पत्र पर आपत्ति जताकर कहा था कि व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से प्राप्त तथ्यों के आधार पर पीएम को पत्र लिखना आपके कद के नेता को शोभा नहीं देता है। खड़गे को लिखे चार पन्नों के पत्र में भाजपा सांसदों ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी को आपके हालिया पत्र के जवाब में हमें यह कहना है कि पत्र में सिर्फ बयानबाजी थी और उसमें तथ्यों की कमी थी। रोजगार को लेकर खड़गे के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में रेलवे ने 4.58 लाख नई नियुक्तियां की हैं और वर्तमान में लगभग 1.52 लाख उम्मीदवारों को नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है। सांसदों ने कहा इस प्रकार हमारे 10 वर्षों में हम 6.1 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्त करने वाले हैं जो यूपीए के 10 वर्षों के दौरान नियुक्त किए गए 4.11 लाख उम्मीदवारों से लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। पत्र में कहा गया है कि 5518 नए नियुक्त सहायक लोको पायलट इस क्षेत्र की उपेक्षा करने के आपके आरोपों को खारिज करते हैं।

पिछले 9 वर्षों में देश का 55 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 155 लाख करोड़ हो गया कर्ज: सुप्रिया श्रीनेत

-कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, देश की बदहाल अर्थव्यवस्था पर श्वेतपत्र जारी करे सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने शनिवार को मौजूदा केंद्र सरकार के तहत देश की अर्थव्यवस्था के बदहाल होने का आरोप लगाया और कहा कि अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर 'श्वेतपत्र जारी किया जाना चाहिए। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह दावा भी किया कि पिछले नौ वर्षों में देश का कुल कर्ज 55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 155 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि आज़ादी के बाद 67 साल में जहां 14 प्रधानमंत्रियों ने मिलकर 55 लाख करोड़ रुपये का ऋण लिया, वहीं नरेन्द्र मोदी ने अपने 9 साल के कार्यकाल में इसको तिगुना करके 155 लाख करोड़ पहुंचा दिया। इसका मतलब यह है कि वर्ष 2014 से अब तक हमारे देश का कर्ज 100 लाख करोड़ से भी ज़्यादा बढ़ गया है। कांग्रेस प्रवक्ता श्रीनेत ने कहा कि आज हर हिंदुस्तानी पर मतलब पैदा हुए नवजात शिशु के सिर पर भी क़रीब 1.2 लाख रुपए का क़र्ज़ है। सुप्रिया ने यह दावा भी किया कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और कर्ज का अनुपात 84 प्रतिशत हो गया है। उनके मुताबिक देश के 23 करोड़ लोग ग़रीबी रेखा से नीचे हैं, 83 प्रतिशत लोगों की आय घटी है, एक साल में क़रीब 11 हजार से ज़्यादा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग बंद हुए हैं, लेकिन अरबपतियों की संख्या पिछले दो वर्षों में 102 से बढ़कर 166 हो गई है!

जलगांव में लगा कर्फ्यू व अमलनेर में दो गुटों में पथराव, 32 लोग हिरासत में

- पुलिस बल तैनात, तनावपूर्ण स्थिति बरकरार

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई जिलों में तनाव व्याप्त है। इसी बीच जलगांव जिले में भी दो गुट आपस में भिड़ गए। जिले के अमलनेर कस्बे में दो गुटों के बीच पथराव की घटना हो गई। दरअसल, मामूली बात को लेकर दो से तीन युवकों के बीच कहासुनी बाद में हाथापाई में बदल गई और विवाद के कारण दो गुटों के बीच पथराव हो गया। इसमें कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और तीन पुलिस कर्मी और तीन से चार लोग भी घायल हो गए। इस घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और तनावपूर्ण शांति देखी जा रही है।

अमलनेर शहर के जिंजरगल्ली, जूना पारधी वाडा और सराफ बाजार इलाके में शुक्रवार रात 10 बजे दो गुटों के बीच जमकर पथराव हुआ। व्यापारियों का आवासीय क्षेत्र होने के कारण इस समय व्यापारियों में भय का वातावरण है। डिवीजनल पुलिस अफसर सुनील नंदवलकर, एपीआई राकेश सिंह परदेशी की अगुवाई में पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने समय रहते हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। वहीं दोनों गुटों के पथराव करने वाले 32 युवकों को हिरासत में लिया गया है। घटना की सूचना वरिष्ठों को देने के बाद पुलिस ने जलगांव से एक अतिरिक्त टीम को बुलाया। साथ ही जिला पुलिस अधीक्षक एम राजकुमार ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। और संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। इतने में एलसीबी की टीम ने भी एंट्री कर ली। इस घटना में पुलिस ने पथराव कर रहे 32 युवकों को हिरासत में लिया है और शांति बनाए रखने की अपील की है। अमलनेर शहर में रात में दो गुटों के बीच भड़के दंगों के मद्देनजर अधिकारियों ने धारा 144 के तहत कर्फ्यू लगा दिया है। शनिवार 10 तारीख को सुबह 11 बजे से 12 जून की सुबह 11 बजे तक कर्फ्यू लगाने के आदेश लागू कर दिए गए हैं। शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और सामान्य जीवन को बनाए रखने के लिए जिला पदाधिकारी कैलास कडालग ने दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया है।

उत्तर भारत गर्मी से हलाकान, केरल व तटीय कर्नाटक में भारी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिलहाल मानसून ने दस्तक दे ही है। केरल तथा तटीय कर्नाटक में जहां भारी बारिश शुरु हो चुकी है वहीं उत्तर भारत अभी भी गर्मी से बुरी तरह तप रहा है। देशभर में मौसम का मिजाज बदल रहा है। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में जहां पारा बढ़ने से लोग बेहाल हैं, वहीं, मानसून के आगमन से केरल और तटीय कर्नाटक में भारी बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि दिल्ली एनसीआर के लोगों को अभी गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। तापमान लगातार बढ़ेगा। आईएमडी के मुताबिक, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अगले तीन से चार दिन तक लू यानी हीटवेव चलने की संभावना है। इधर उत्तर प्रदेश में कई इलाकों में तापमान 43 डिग्री के पार पहुंच गया है। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल है। अगले कुछ दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। इधर पंजाब में भी लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि आईएमडी ने कहा है कि रविवार को कई इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है।

देश की राजधानी दिल्ली में गर्मी का सितम जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज पारा 42 डिग्री के पार पहुंचने की संभावना है। इसके साथ ही, हल्की बारिश की भी संभावना व्यक्त की गई है। यहां चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के अगले 24 घंटे में और भी ज्यादा तेज होने की संभावना है। यह तूफान उत्तर-उत्तर पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इससे अरब सागर तट पर वलसाड में तीथल बीच पर ऊंची लहरें उठ रही हैं, जिसके चलते तीथल बीच को 14 जून तक पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने दस्तक दे दी है। अब इसके कर्नाटक और तमिलनाडु में प्रवेश करने की तैयारी है। वहीं, उत्तर पूर्व राज्यों में अगले दो दिनों में बारिश होने की संभावना है। इसकी वजह उत्तर पूर्वी बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव का क्षेत्र बनना है।

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, पूर्वोत्तर भारत मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में आज भारी बारिश हो सकती है। असम और मेघालय में सोमवार और मंगलवार को भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण भारत में केरल, तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप में अगले तीन दिनों के दौरान भारी बारिश होने की संभावना है। उपहिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में रविवार से मंगलवार तक भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, भारत के मध्य क्षेत्रों में अगले दो दिनों में पारा कम होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत में माता-पिता और भाई-बहन के बाद बड़ी बेटी ने भी की आत्महत्या की कोशिश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सरथामा इलाके में रहने वाले एक ही परिवार के चार सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। जिसमें मां-बेटी की मौत हो गई थी। और पिता की हालत ज्यादा गंभीर होने पर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में शिफ्ट कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई थी। इस परिवार से एक बेटा और बड़ी बेटी बच गए। पुलिस मामले की जांच कर रही थी कि परिवार की बड़ी बेटी ने भी आत्महत्या करने की कोशिश की है। बड़ी बेटी की हालत गंभीर होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूरत के योगीचौक के पास विजयनगर में रहने वाले विनू मोरदिया, उनकी पत्नी शारदाबेन, बेटा क्रिश और बेटी टीना ने एक साथ जहर पीकर आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या करने से पहले विनू मोरदिया ने अपने बड़े भाई को फोन किया था और अपने बड़े बेटे पार्थ और बेटी रुचिता की देखभाल करने को कहा था। इस बीच पुलिस ने इस मामले में स्थानीय लोगों व उसके बड़े भाई समेत परिवार के अन्य लोगों के बयान लेने शुरू ही किया था की, इसी बीच मोरदिया परिवार की एक अन्य सदस्य बड़ी बेटी रुचिता ने भी आत्महत्या का प्रयास किया है। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सरथाना पुलिस के मुताबिक मोरदिया परिवार की बड़ी बेटी रुचिता ने बाथरूम में फिनाइल निगल लिया था। इसकी जानकारी होने पर परिजन ने उसे तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया। परिवार के एक और सदस्य के द्वारा आत्महत्या के प्रयास के कारण परिवार में मातम छा गया है। घटना की जानकारी होने पर पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई थी। आत्महत्या के प्रयास की प्रारंभिक जांच से अब पता चलता है कि यह कदम अवसाद में उठाया गया था।

उधना के मगदल्ला रोड स्थित एक बिजली की दुकान में बिजली के तार से बंधी एक युवक की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के उधना मगदल्ला रोड़ के पास आए कोमल सर्कल के पास एक बिजली की दुकान में एक युवक के दोनों हाथ तारों से बंधे हुए मृत हालत मिला। मृत दयानंद की मौत पर परिजनों ने भी संदेह जताया है। न्यू सिविल से प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली के अंबिका रो हाउस निवासी ३६ वर्षीय दयानंद नंदकिशोर अहिराव उधना मगदल्ला रोड स्थित कोमल सर्किल के पास बिजली की दुकान में काम करता था और उसकी पत्नी पास में ही एक निजी नौकरी करती थी। सुबह के समय पत्नी द्वारा बार बार फोन किये जाने के बाद जब फोन रिसीव नहीं हुआ तो वह दुकान की तरफ भागी।

जहां उसका पति दयानंद बेहोशी की हालत में था और दोनों हाथों पर तार से बंधा पाकर चौंक गई। पत्नी द्वारा तार खोलने की कोशिश के दोरान उसे भी बिजली का झटका लगा और वह चीख पड़ी। चीख सुन कर आसपास के लोग भाग खड़े हुए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसने तार बांधकर आत्महत्या की है। हालांकि सही कारण का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही चलेगा।

वह मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले थे। उनकी एक बेटी और एक बेटा है। पिता की मौत से दो बच्चों पर से पिता का साया टूट गया।

हजीरा में कंपनी के स्वीपर ने सीआईएसएफ के जवान की पत्नी के साथ दुष्कर्म किया, पुलिसने किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के हजीरा क्षेत्र स्थित राष्ट्रीयकृत कंपनी में सेवारत सीआईएसएफ के जवान की पत्नी के साथ उसी कंपनी में काम करने वाले स्वीपर ने दुष्कर्म किया। आरोपी स्वीपर विवाहित है और संतान का पिता भी है। मामला सामने आने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक हजीरा की कंपनी में सेवारत सीआईएसएफ के जवान सूरत के वेसू क्षेत्र में पत्नी और दो संतानों के साथ रहते हैं। दो महीने पहले हरियाणा के पानीपत जिले के बबेद में रहनेवाला ३२ वर्षीय सुनील वेदप्रकाश नामक शख्स ने उसी कंपनी में बतौर स्वीपर ड्यूटी जॉइन की थी। सुनील भी सीआईएसएफ के जवान के वेसू स्थित मकान के पड़ौस में रहने लगा। सुनील का परिवार हरियाणा में होने की वजह से वह सीआईएसएफ के जवान के घर ही भोजन करता था। उस दौरान सुनील ने जवान की पत्नी को भड़काते हुए कहा कि तेरा पति सुबह मॉर्निंग वॉक करने जाता है तब महिलाओं और युवतियों को देखता है। इतना ही नहीं उसके किसी के साथ प्रेम संबंध भी हैं। गत २४ मई को सुबह ५ बजे सीआईएसएफ का जवान ड्यूटी पर निकल गया। जवान के जाते ही सुनील उसके घर में घुस गया। जहां जवान की पत्नी के साथ दुष्कर्म किया और धमकी दी कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो वह जान से मार देगा।

धमकी से डरकर जवान की पत्नी ने किसी को कुछ नहीं बताया। बीती रात जवान की नाइट शिफ्ट थी।घर में उसकी पत्नी और संतानें सो रही थीं। तब सुनील सुबह पांच फिर उसके घर में घुस गया। जहां फिर एक बार सुनील ने पीड़िता के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने के प्रयास किए। लेकिन जब पीड़िता उसका प्रतिकार किया। इस सुनील ने पीड़िता के साथ मारपीट की और वहां से भाग निकला। पति के घर लौटने पर पीड़िता ने उससे सुनील की करतूत की शिकायत कर दी। जिसके बाद मामला पुलिस थाने पहुंच गया। पुलिस ने आरोपी सुनील के खिलाफ केस दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है।

सीआईएसएफ के एक जवान ने अपने सहयोगी की पत्नी के साथ किया दुष्कर्म

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वेसू वीआईपी रोड स्थित ओएनजीसी कॉलोनी में रहने वाले

वेसु की 29 वर्षीय विवाहिता जिसका पति सीआईएसएफ में कार्यरत है। आरोपी सुनीलकुमार वेदप्रकाश ओएनजीसी कॉलोनी वेसू के पास रहता है। 24 मई को जब महिला का पति सुबह कंपनी में ड्यूटी पर गया तो आरोपी उसके घर आ गया। उस समय आरोपी ने महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया। महिला ने उस समय अपने पति से बात नहीं की थी। आरोपी सुनील कुमार दूसरी बार 8 जून को वापस आया और उसके साथ जबरन दुष्कर्म करने की कोशिश की।

हालांकि, महिला ने लोगों को हड़काया और सुनील कुमार को पकड़ लिया और मेथीपाक दे दिया।

महिला का पति भी दौड़ता हुआ आया। महिला डरी हुई थी और उसने उस वक्त शिकायत नहीं की। शुक्रवार को दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के महिला के घर से पारिवारिक संबंध थे। आरोपी ६ साल से सीआईएसएफ में कार्यरत है और दो बच्चों का पिता है।

हाईकोर्ट की कांग्रेस नेता को फटकार, कहा-भारत में रहनेवालों को भारत के प्रति वफादार रहना चाहिए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता अफजल लाखाणी को कड़ी फटकार लगाई है। साथ ही कहा है कि भारत में रहनेवाले प्रत्येक नागरिक को भारत के प्रति वफादार रहना चाहिए। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी दिवंगत माता हीराबेन मोदी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का उपयोग करना उचित नहीं है। यह कहते हुए हाईकोर्ट ने कांग्रेस अफजल लाखाणी की जमानत याचिका खारिज कर दी। गुजरात हाईकोर्ट में अफजल लाखाणी के खिलाफ चार्जशीट में आरोप है कि वह भारत विरोधी पोस्ट करते थे। जिससे समाज में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता था। आरोपी ने अपनी पोस्ट में केवल प्रधानमंत्री को ही टार्गेट नहीं बल्कि उनकी दिवंगत माता हीराबेन मोदी के साथ ही एक समुदाय के खिलाफ भी टिप्पणी की थी। अफजल लाखाणी पाकिस्तान समेत अन्य देशों में अतर्राष्ट्रीय कॉल भी करता था। आरोपी अफजल लाखाणी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए गुजरात हाईकोर्ट के न्यायधीश एनएस देसाई ने कहा कि जो लोग भारत में रहते हैं उन्हें भारत के प्रति वफादार रहना चाहिए। जांच में पता चला है कि आरोपी ने कई ऐसी टिप्पणी की है जो एक समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती है। कुछ ऐसी टिप्पणियां भी हैं जो अपमानजनक हैं। ऐसी अन्य कई सामग्री है जिसका समाज पर बड़े स्तर पर असर हो सकता है। न्यायधीश ने कहा कि कोई व्यक्ति किसी को पसंद करे या नहीं, यह उसका अधिकार है। परंतु इसका मतलब यह नहीं है कि देश के प्रधानमंत्री और उनकी दिवंगत माता के खिलाफ अपमानजनक भाषा का उपयोग करे। आरोपी की पहली पोस्ट इतनी अपमानजनक है कि उसे आदेश में शामिल करना संभव नहीं है। आरोपी ने समाज की शांति और सदभावना को अस्थिर करने का प्रयास किया है। हाईकोर्ट के मुताबिक प्रथम दृष्ट्या पता चलता है कि आरोपी के पोस्ट एजन्डा प्रेरित हैं और ऐसे व्यक्ति को अगर जमानत दी जाती है तो वह अलग अलग नाम या फैक आईडी से ऐसे अपराध फिर सकता है।

यह कहते हुए गुजरात हाईकोर्ट के न्यायधीश एनएस देसाई ने आरोपी अफजल लाखाणी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

सूरत के पांडेसरा इलाके के सिद्धार्थ नगर में खेला गया खुनी खेल, रूम पार्टनर ने पत्थर मारकर की हत्या

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके में स्थित सिद्धार्थ नगर में सुबह-सुबह घर के बाहर से शव मिलने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। सिद्धार्थ नगर में उड़ीसा के एक युवक की हत्या की घटना सामने आई है। जिसमें खुलासा हुआ है कि मृतक के साथ कमरे में रह रहे उसके दोस्त ने ही पत्थर से वार कर मोत के घाट उतार कर फरार हो गया है। घटना को लेकर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी को गिरफ्तारी की दिशा में जाँच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार उड़ीसा का मूल निवासी ३६ वर्षीय पुनो पोलाई वर्तमान में पांडेसरा क्षेत्र के सिद्धार्थ नगर में रहता था। वह लंबे समय से हत्यारे के साथ किराए के कमरे में रह रहा था और लुम्स के कारखाने में कारीगर के रूप में काम कर रहा था। देर रात पूना पोलाई की उसके रूम पार्टनर ने पत्थरों से मारकर हत्या कर दी। सुबह-सुबह खून से लथपथ लाश मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी और पुलिस का बेड़ा मौके पर पहुंचा था। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि निजी दुश्मनी के झगड़े में कारीगर की हत्या की गई है। पुनो पोलाई के शरीर पर भी चोट के निशान पाए गए थे। पुलिस ने मृतक युवक के शव को पीएम के लिए सुरत सिविल में भेज कर, हत्यारे रूम पार्टनर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी को गिरफ्तारी की दिशा में जाँच की जा रही है।

शाह की राहुल गांधी को सलाह.... कम से कम अपने पूर्वजों से ही सीखें ले

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

विदेश में जाकर भारत की बुराई करना सही नहीं

पाटन,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधकर कहा कि विदेश में अपने ही देश की आलोचना करना किसी नेता को शोभा नहीं देता है। शाह ने राहुल गांधी पर भारत को बदनाम करने के लिए विदेश जाने का आरोप लगाकर उन्हें अपने पूर्वजों से सीखने की सलाह दी। शाह का इशारा राहुल गांधी की हालिया अमेरिका यात्रा की तरफ था जिस दौरान उन्होंने कई मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार की आलोचना की थी।

शाह ने कहा किसी भी देशभक्त व्यक्ति को भारतीय राजनीति पर भारत के भीतर चर्चा करनी चाहिए। विदेश जाकर भारतीय राजनीति पर चर्चा करना और देश की आलोचना करना किसी भी पार्टी के नेता को शोभा नहीं देता। राहुल बाबा याद रखिए देश की जनता ध्यान से देख रही है। शाह ने केंद्र में मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पाटन जिले के सिद्धपुर इलाके में आयोजित रैली को संबोधित कर रहे थे।